RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 76 ता. 12 सितम्बर 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

हो गए एमपी और राजस्थान

एमपी के 21 जिलों में बिगड़े हालात, राजस्थान में डैम ओवरफ्लो

नोएडा स्टेडियम में पानी भरा,न्यूजीलैंड-अफगानिस्तान टेस्ट नहीं हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में 2 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार को 21 जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। विदिशा,

रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में रेड अलर्ट जारी किया है। सितंबर के सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम से पूरा मध्यप्रदेश तरबतर हो रहा है। भोपाल, नर्मदापुरम समेत प्रदेश के कई जिलों में मंगलवार से बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, गुना और अशोकनगर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान के जयपुर में आज तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। ब्यावर जिले का नंदा बांध 25 साल बाद ओवरफ्लो हुआ तो लोग बैंड बाजे के साथ नाचने-गाने लगे।

राज्य में 15 सितंबर तक बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में बारिश की वजह से नोएडा क्रिकेट स्टेडियम में पानी भर गया है। इसकी वजह से न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच तीसरे दिन भी नहीं खेला जा सका। छत्तीसगढ़ में पिछले दो दिनों से बारिश हो रही है। इंद्रावती व चिंतावागु नदी उफान पर है।

बढ़ गई है और मुश्किल

● स्टडी वीजा देने में सख्त हुआ ट्रूडो का देश, 50 फीसदी की गिरावट

ओट्टावा (एजेंसी)। कनाडा में अध्ययन की चाहत रखने वाले भारतीयों के लिए अब काफी मुश्किल होने वाली है। उत्तर अमेरिकी देश में इस साल स्टडी परमिट की मंजूरी में 50 फीसदी की गिरावट आने की उम्मीद है। जस्टिन ट्रूडो की लिबरल सरकार देश में अप्रवासियों की संख्या को कम करने के लिए कठोर रुख अपना रही है। इसके तरहत वीजा मंजूरी को एक बार फिर 2018 और 2019 के स्तर पर वापस आने का अनुमान है। कनाडाई मीडिया आउटलेट द ग्लोब एंड मेल ने मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। इस जानकारी के लिए अप्लाईबोर्ड के आंकड़ों का हवाला दिया गया है।

का असली चेहरा दिखा दिया

कांग्रेस नेता के यूएस से आए बयान पर खूब बरसे अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए राहुल गांधी के एक बयान ने भारत की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। राहुल गांधी ने कोटा पर एक सवाल के जवाब में कहा था कि अभी आरक्षण को खत्म करने का सही समय नहीं आया है। उनके इस जवाब को लेकर विवाद पैदा हो गया है और अब होम मिनिस्टर अमित शाह ने उन पर तीखा हमला बोला है। अमित शाह ने कहा, आरक्षण समाप्त करने की बात करके राहुल गांधी एक बार फिर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने लाए हैं। राहुल का बयान क्षेत्रवाद, धर्म और भाषा के आधार पर दरार पैदा करने की कांग्रेस की राजनीति को उजागर करता है। गृह मंत्री ने विस्तार से अपनी राय एक्स पर लिखी है। उन्होंने लिखा, देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। चाहे जम्मू-कश्मीर में जेकेएनसी के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गांधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है। इसके आगे वह लिखते हैं, राहुल गांधी ने कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने ला दिया है।

एक दिन शादी नहीं चली और देने पड़े 50 लाख

● दहेज उत्पीड़न कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामलों से निपटने वाला सेक्शन 498ए देश में सबसे ज्यादा दुरुपयोग किए जाने वाला कानून है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह बात कही। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक वैवाहिक मामले में विवाद की सुनवाई करते हुए यह बात कही। जस्टिस गवई ने गुजारा भत्ते पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में आजादी पाना ही सबसे अच्छी चीज है। अपनी इस टिप्पणी को विस्तार देते हुए

जस्टिस गवई ने एक केस को भी याद किया। उन्होंने कहा कि एक मामला ऐसा भी आया था, जब पति एक दिन भी पत्नी के साथ नहीं रहा। लेकिन जब वे अलग हुए तो 50 लाख रुपये की रकम उसे पत्नी को देनी पड़ी। जस्टिस गवई ने कहा, मैंने नागपुर में एक केस देखा था। उस मामले में युवक अमेरिका जाकर बस गया। उसकी शादी एक दिन भी नहीं चल पाई, लेकिन पत्नी को केस चलने पर 50 लाख रुपये की रकम देनी पड़ गई। मैं तो खुलकर कहता रहा हूं कि घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के कानून का सबसे ज्यादा गलत इस्तेमाल होता है। मेरी बात से शायद आप लोग सहमत होंगे। सेक्शन 498ए को लेकर लंबे समय से चर्चा रही है। इस कानून के आलोचकों का कहना रहा है कि अकसर महिला के परिवार वाले इस कानून का बेजा इस्तेमाल करते हैं। रिश्ते खराब होने पर पति और उसके परिवार वालों को फंसाने की धमकी दी जाती है।

शिमला में मस्जिद का अवैध निर्माण हटाने को लेकर बवाल

हिंदू संगठनों का जबरदस्त प्रदर्शन,पुलिस के बैरिकेड तोड़े,पथराव

पुलिस का लाठीचार्ज,वाटर कैनन चलाई,पथराव में सिपाही घायल

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बुधवार को मस्जिद का अवैध निर्माण गिराने की मांग को लेकर हिंदू संगठन देवभूमि ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। शिमला के संजौली स्थित इस मस्जिद का रास्ता ढली टनल से होकर गुजरता है। प्रदर्शनकारियों ने यहां सड़क पर हनुमान चालीसा पढ़ा और जय श्रीराम के नारे लगाए। उन्होंने पुलिस के बैरिकेड तोड़ दिए। पुलिस ने 2 बार लाठीचार्ज किया और वाटर कैनन चलाई गई। पत्थरबाजी और झड़प में एक प्रदर्शनकारी और सिपाही घायल हुआ है।

संजौली मस्जिद 1947 से पहले बनी थी। 2010 में इसकी पक्की इमारत बननी शुरू हुई तो नगर निगम में शिकायत की गई थी। अब मस्जिद 5 मंजिला है। नगर निगम 35 बार अवैध निर्माण तोड़ने का आदेश दे चुका है। ताजा विवाद 31 अगस्त से शुरू हुआ, जब 2 गुटों के बीच मारपीट हुई। इसके बाद हिंदू संगठनों ने मस्जिद का अवैध निर्माण गिराने की मांग की। डीसी अनुपम कश्यप ने संजौली में धारा 163 लागू की है। इसके तहत सुबह 7 बजे से रात 11.59 बजे तक 5 या इससे ज्यादा लोगों को इकट्ठे होने या हथियार लेकर चलने की इजाजत नहीं होगी। पुलिस ने मंगलवार रात को संजौली में शांति बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च भी निकाला था। सरकारी और प्राइवेट ऑफिस, स्कूल, बाजार पूरी तरह से खुले रहेंगे। किसी भी व्यक्ति को धरना-प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं है। लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। संजौली में मस्जिद का निर्माण 1947 से पहले हुआ था। तब मस्जिद की बिल्डिंग कच्ची थी।

कर्फ्यू, इंटरनेट बैन और 2000 जवान फिर पहुंचे

मणिपुर में नहीं संभल रहे हालात, तनावपूर्ण माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में एक बार फिर से माहौल तनावपूर्ण हो गया है। बीते कुछ दिनों में हुई झड़पों के चलते हालात ऐसे हैं कि तीन जिलों में कर्फ्यू लगाना पड़ा है और इंटरनेट भी सस्पेंड किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि लोगों के बीच अफवाह फैलने से रोका जा सके। अभी 5 दिनों के लिए इंटरनेट पर रोक रहेगी। वहीं कांग्रेस का कहना है कि इस मामले में होम मिनिस्टर अमित शाह को दखल देना चाहिए। बीते साल से ही राज्य में कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों के बीच झड़पों का दौर जारी है। ऐसी हिंसा फैली है कि कई जिलों में एक-दूसरे के समुदाय के लोगों पर लगातार हमले हो रहे हैं। इनर मणिपुर से कांग्रेस के सांसद ए. बिमोल अकोइजाम ने अमित शाह को पत्र भी लिखा है और मांग की है कि हिंसा की हालिया घटनाओं की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि इस उपद्रव में ड्रग्स माफिया और बाहरी तत्वों का भी योगदान है। इसके अलावा उन्होंने इसके पीछे विदेशी साजिश को भी वजह बताया है। फिलहाल नए सिरे से फैली हिंसा ने मणिपुर में एक बार फिर से उबाल पैदा कर दिया है।

भारत विरोधी सांसद से मिलकर बुरे फंसे राहुल गांधी

भाजपा हमलावर,पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा कहा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विरोधी दल राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा विवादों में घिरती नजर आ रही है। उन्होंने भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से भी मुलाकात की है। इल्हान उमर ने कुछ समय पले पीओके की यात्रा की थी। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर भारत के नियंत्रण की भी आलोचना की थी। ऐसा माना जाता है कि इल्हान की पीओके यात्रा पाकिस्तान के द्वारा प्रायोजित थी। इतना ही नहीं, इल्हान पर आरोप है कि उन्होंने झूठी खबर फैलाई कि 20 करोड़ मुसलमान नरसंहार के कगार पर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों के अलावा भारतीय प्रवासियों से भी बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी सांसदों से भी मुलाकात की थी। रेबर्न हाउस ऑफिस बिल्डिंग में हुई बैठक की मेजबानी सांसद ब्रैडली जेम्स शेरमेन ने की और इसमें अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य जोनाथन जैक्सन, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, बारबरा ली, श्री थानेदार, जीसस जी. चुय गार्सिया, इल्हान उमर, हैंक जॉनसन और जान शाकोवस्की शामिल थे। राहुल गांधी ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू और सांसद प्रमिला जयपाल से भी

मुलाकात की। राहुल गांधी के साथ इल्हान उमर की एक तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इसके बाद सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमलावर है। पार्टी के प्रवक्ता और आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने भी हमला बोला है। मालवीय ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में लिखा, भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में इल्हान उमर से मुलाकात की, जो पाकिस्तान प्रायोजित भारत विरोधी आवाज है। एक कट्टरपंथी इस्लामवादी और स्वतंत्र कश्मीर की पैरोकार है।

रात को आया प्रस्ताव सुबह ही मिल गई मंजूरी

एमपी को 'मामा' शिवराज का मिल गया तोहफा

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की ओर से प्रस्ताव आने के बाद राज्य में सोयाबीन की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किए जाने की केंद्र की ओर से अनुमति दे दी गई है। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता कृषि और किसान कल्याण है। पिछले दिनों मध्यप्रदेश के किसान चिंतित थे कि सोयाबीन एमएसपी के नीचे बिक रहा था। कृषि मंत्रालय ने इसके पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे राज्यों को एमएसपी पर सोयाबीन खरीदी की अनुमति दी थी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कल रात को ही मध्यप्रदेश सरकार का इस बारे में प्रस्ताव आया, जिसके बाद एमएसपी पर सोयाबीन की खरीदी के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने प्रदेश के किसानों को आश्वस्त किया कि सोयाबीन एमएसपी की दरों पर खरीदा जाएगा। इसके पहले मंगलवार सुबह चौहान ने कहा था कि कृषि मंत्रालय के अधिकारी मध्यप्रदेश सरकार के संपर्क में हैं और सरकार का प्रस्ताव मिलते ही एमएसपी पर सोयाबीन खरीदी की अनुमति दे दी जाएगी। इसके बाद कल मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट में सोयाबीन खरीदी का प्रस्ताव पास होकर राज्य सरकार का अनुरोध केंद्र सरकार को भेजा गया था।

कर्नाटक में कुछ बड़ा होने के बन रहे आसार

● यूएस में मिले राहुल गांधी और डीके शिवकुमार बढ़ गईं अटकलें

बेंगलुरु (एजेंसी)। जमीन मामले को लेकर कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया नेतृत्व को बदलने की अटकलें जारी हैं। हालांकि, इसे लेकर कांग्रेस की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसी बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और लोकसभा में नेता

प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी की अमेरिका में मुलाकात ने चर्चाएं तेज कर दी हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है, जिससे पार्टी के भविष्य के नेतृत्व को लेकर नई अटकलें पैदा हो गई हैं। शिवकुमार ने अमेरिका की अपनी निजी यात्रा के दौरान गांधी से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब कांग्रेस कर्नाटक को एकजुट रखने के लिए संघर्षरत है।

बहराइच में अब बंदरों का आतंक : स्कूली बच्चों से छीन लेते हैं टिफिन

बहराइच। जिले के ग्राम चौखड़िया में लोग बंदरों से परेशान हैं। यहां स्कूल जा रहे छात्रों के बैग से बंदर टिफिन निकाल लेते हैं। घर के आंगन में खाना बना रहीं महिलाओं के हाथ से आटा या रोटी छीनकर ले जाते हैं। विरोध करने पर काट लेते हैं। अभी तक सौ से अधिक लोगों को बंदर काट चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि बंदर रास्ते मे ही रोक कर हमला कर बैग में रखे खाने-पीने वाले सामान निकाल लेते हैं। अगर कोई बच्चा बैग छुड़ाने या भागने की कोशिश करता है। तो ये सीधे हमला कर काट लेते हैं। इतना ही नहीं जब महिलाएं घरों में भोजन तैयार करने बैठती हैं, तो आटा, चावल, सब्जी सब उठा ले जाते हैं। यहां तक कि लोगों के खेत मे लगी फसल, साग, सब्जी को भी बर्बाद कर देते हैं। ग्रामीणों से बातचीत में पता चला है कि इनकी संख्या सैकड़ों में नहीं बल्कि हजारों में है। तकरीबन 2 से 3 हजार बताए जा रहे हैं। लोग इस कदर परेशान हैं कि इसकी शिकायत को लेकर बहराइच जिलाधिकारी से भी मिल चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इन बंदरों की समस्या लगभग दो सालों से बनी हुई है। पहले इनकी संख्या कम थी, तो दिक्कत भी कम थी। अब बढ़ती संख्याओं ने दिक्कत भी बढ़ा दी है ।ग्रामीणों से बातचीत में पता चला है कि इनकी संख्या सैकड़ों में नहीं बल्कि हजारों में है। तकरीबन 2 से 3 हजार बताए जा रहे हैं। लोग इस कदर परेशान हैं कि इसकी शिकायत को लेकर बहराइच जिलाधिकारी से भी मिल चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इन बंदरों की समस्या लगभग दो सालों से बनी हुई है। पहले इनकी संख्या कम थी, तो दिक्कत भी कम थी। अब बढ़ती संख्याओं ने दिक्कत भी बढ़ा दी है।

चूहों ने बजा दिया बैंक का सायरन, परेशान पुलिस रात भर करती रही छानबीन

हरदोई। शाहाबाद में रात एक बजे अचानक से बैंक का सायरन बजने लगा। सायरन बजते ही स्थानीय कोतवाली पुलिस में हड़कंप मच गया। इमरजेंसी सायरन बजने के बाद कोतवाली का पूरा पुलिस फोर्स बैंक की तरफ दौड़ पड़ा। बैंक कैशियर को बुलाकर घंटों छानबीन चलती रही, लेकिन कुछ नहीं मिला तो पुलिस के साथ बैंक कर्मियों ने भी राहत की सांस ली। इसके बाद पता चला कि चूहों ने सायरन वाला तार ही काट दिया था ।बुधवार की देर रात लगभग 1 बजे बैंक का इमरजेंसी अलार्म एकाएक बजने लगा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मोहल्ले के लोग घर से बाहर निकल आए। घटना की सूचना पर पुलिस भी दौड़ी चली आई। शाहाबाद कोतवाली का पूरा फोर्स बैंक के बाहर खड़े होकर संदिग्ध की तलाश कर रहा था। काफी खोजने के बाद पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा। इसके बाद बैंक के कैशियर को रात में ही तलब कर लिया गया और रात में बैंक खुलवाई गई। बैंक में सघन चेकिंग अभियान चला, लेकिन कुछ भी आपत्तिजनक या संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। हालांकि इस तफ्तीश के दौरान यह जरूर सामने आया कि बड़े-बड़े मोटे चूहों की शरारत ने इस अलार्म बजाने की घटना को अंजाम दिया और सबको हक्का बक्का कर दिया।

युवक ने प्रेमिका को संदेश भेजा... तुम शादी कर लेना,और झूल गया फांसी पर

गाजियाबाद। बिहार के रहने वाले एक युवक ने गाजियाबाद में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने सुसाइट नोट में आत्महत्या के कारणों का जिक्र नहीं किया है लेकिन अपनी अंतिम इच्छा जाहिर करते हुए अपनी प्रेमिका के लिए लिखा तुम शादी कर लेना। बहन के लिए लिखा कि तुम मां का ख्याल रखना और उन्हे अपने साथ ही रखना। मूलरूप से थाना पारू जिला मुजफ्फरपुर बिहार के गांव कटवाड़ा निवासी 25 वर्षीय कुंदन कुमार ठाकुर नंदग्राम थानाक्षेत्र के बनवारी नगर में ओमपाल यादव के मकान में किराये पर रहता था। वह एक निजी कंपनी में काम करता था। पुलिस के मुताबिक कुंदन ने मंगलवार तड़के अपने कमरे में पंखे से चादर का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह मकान मालिक ने उसे फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। एसीपी नंदग्राम का कहना है कि मौके से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है ।पुलिस के मुताबिक मौके से मिले सुसाइड नोट को कुंदन ने बिहार की अपनी मूलभाषा में लिखा है। उसने लिखा कि दीदी अब हम नहीं रहना चाहते हैं। मम्मी को अपने साथ में रखिएगा। दुखी न रहने देना। अब हम नहीं रहेंगे और मम्मी को कभी तकलीफ न होने देना, इसका ध्यान रखना। कुंदन ने प्रेमिका का नाम लिखकर कहा कि मुझे माफ कर देना और तुम शादी कर लेना। कुंदन ने अंतिम इच्छा में लिखा कि जीजा अगर मैं मर गया तो मुझे अपने गांव लेकर जरूर चलिएगा। अंत में उसने गुडबाय लिखा । डीसीपी सिटी राजेश कुमार का कहना है कि मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने पर पता चला कि कुंदन एक लड़की के साथ प्यार में था। सुसाइड नोट में आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है। अंदेशा है कि प्रेमिका से अनबन होने पर उसने आत्महत्या की है।

महिला फ्लाइंग ऑफिसर यौन उत्पीड़न पर विंग कमांडर के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू। श्रीनगर में तैनात महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने अपने ही विंग कमांडर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला ऑफिसर ने अपनी शिकायत में कहा कि- 'पार्टी के बाद स्टेशन पर विंग कमांडर ने मुझसे पूछा कि क्या आपको गिफ्ट मिला है? इस शिकायत पर अब आरोपी विंग कमांडर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। महिला ऑफिसर ने अपनी शिकायत में आगे कहा, कि मैंने कहा कि मुझे कुछ नहीं मिला। तो उसने मुझे अपने कमरे में आने को कहा जहां बहुत से उपहार रखे हुए थे। जैसे ही मैं उसके साथ कमरे में गई। उसने मेरे साथ जबरदस्ती करनी शुरू कर दी। मैंने उसे रोकने की बार-बार अपील की। मेरे विरोध करने के बावजूद वह नहीं माना और मेरे साथ ओरल सेक्स करने लगा। अंत में मैंने उसे धक्का दिया और वहां से भाग गई। इस दौरान उसने मुझसे कहा कि हम शुक्रवार को फिर मिलेंगे, जब उसके परिवार के लोग चले जाएंगे।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाना पड़ा भारी, दंपति समेत दो साल के मासूम की ट्रेन से कटकर मौत

लखीमपुर खीरी । यूपी के लखीमपुर खीरी जिले के थाना खीरी क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर रील बनाना दंपति को भारी पड़ गया। दंपति और उनके ढाई साल के मासूम बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। दंपति 40 वें का मेला देखने आए थे। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। प्राप्त विवरण के मुताबिक यह हादसा लखीमपुर-सीतापुर रेल प्रखंड पर बुधवार की सुबह हुआ। सीतापुर जिले के थाना व कस्बा लहरपुर के मोहल्ला शेख टोला निवासी मोहम्मद अहमद (30) अपनी पत्नी नाजमीन और ढाई साल के पुत्र अकरम के साथ क्वेंटी कलां गांव में चल रहे 40 वें के मेले में आया था। बुधवार की सुबह करीब आठ बजे पत्नी ढाई साल के मासूम को गोद में लेकर पति के साथ उमरिया रेलवे पुल के पास ट्रैक पर मोबाइल से रील बना रही थी। इसी बीच ट्रेन आ गई। तीनों ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी कटकर मौत हो गई। शवों के चिथड़े करीब तीन सौ मीटर दूर तक बिखरे पड़े थे। हादसा जिसने सुना वो। मौके की तरफ दौड़ पड़ा। सैकड़ों की संख्या में लोगों का जमाववाड़ा लग गया। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और आरपीएफ के जवान भी पहुंच गए और शवों की पहचान कराने की कोशिश की। पहचान होने के बाद मृतकों के घर वालों को खबर की गई और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दंपति और उसके बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार वालों में चीख पुकार मच गई। बड़ी संख्या में परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर घर वालों को सौंप दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दंपति बच्चे को लेकर रील बना रहे थे। तभी ट्रेन आ गई और तीनों की जान चली गई।

15 हजार भारतीयों को इजरायल में मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने कहा है कि इजरायल ने भारत से 10 हजार श्रमिकों की मांग की है। इसके अलावा 5 हजार स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की भर्ती के लिए अभियान चलाने के इरादे से भारत से संपर्क साधा है। एनएसडीसी ने कहा कि इजरायल के जनसंख्या, आव्रजन और सीमा प्राधिकरण (पीबा) ने निर्माण क्षेत्र की नौकरियों के लिए अनुरोध किया है। बता दें कि इसमें सैलरी 2 लाख होगी और खाना पीना भी फ्री होगा। पीबा की एक टीम आने वाले सप्ताह में भारत का दौरा करेगी ताकि चयन के लिए जरूरी कौशल परीक्षण किए जा सकें। एनएसडीसी ने कहा कि इजरायल जाने वाले निर्माण श्रमिकों के लिए भर्ती अभियान का दूसरा दौर महाराष्ट्र में चलाया जाएगा। इसके अलावा इजरायल को अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए पांच हजार स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की भी जरूरत है।

मणिपुर में हालात चिंताजनक... पीएम मोदी विदेश और शाह देश में घूम रहे

राज्यसभा सांसद संजय राउत का मोदी सरकार पर हमला

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मणिपुर में जारी हिंसा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल पूछा। राउत ने बुधवार को प्रेसवार्ता के दौरान कहा, देश के गृह मंत्री यहां-वहां घूम रहे हैं, लेकिन मणिपुर के जो हालात हैं, उससे सभी वाकिफ हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता राउत ने कहा, मणिपुर में जो हालात हैं, उन चिंताजनक हालातों से निपटने का काम केंद्रीय गृह मंत्री का होता है। मगर वे मुंबई में राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। वह यहां लालबाग के राजा के दर्शन के लिए गए, चुनावी बैठक की। मगर उनके लिए मणिपुर की आंतरिक सुरक्षा पूरी तरह से खत्म हो गई है। वहां रॉकेट और ड्रोन से हमले हो रहे, युद्ध की स्थिति है। इसके बाद देश का गृह मंत्रालय और एनएसए कहां गायब हैं?

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज करते हुए कहा, रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास का युद्ध खत्म करने के लिए पीएम मोदी वहां जाएंगे और तस्वीरें खिचवाएंगे। लेकिन, वे मणिपुर की सड़कों पर भी जाकर दिखाएं। मणिपुर में खुलेआम गोलीबारी, रॉकेट और ड्रोन से हमले हो रहे हैं, मगर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री चुप बैठे हैं। इन घटनाओं के लिए नीतीश और चंद्रबाबू नायडू जिम्मेदार हैं, जिन्होंने देश की कमान उन लोगों को दे दी है, जो एकदम खामोश बैठे हैं।

राउत ने नागपुर हादसे का जिक्र कर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया। उन्होंने पूछा, नागपुर में जो हुआ वह एक दर्दनाक घटना है। मेरा मानना है कि कानून सबके लिए सामान है। क्या संकेत चंद्रशेखर बावनकुले कानून से ऊपर हैं? क्योंकि उसके पिता भाजपा के बड़े नेता हैं। वे शराब पीकर गाड़ी चला रहा था। उसने ड्रिंक एंड ड्राइव के दौरान कई लोगों को मारने की कोशिश की। उसकी गाड़ी से एक बिल मिला है, जो पुलिस कभी भी नष्ट कर देगी।

उन्होंने कहा, सड़क सुरक्षा नियम नहीं बल्कि यह मूर्खतापूर्ण सट्टेबाजी नियम है। अगर हादसा लोगों के साथ होता तब पुलिस उस उसके परिवार और दोस्तों को पकड़ लेती। महाराष्ट्र को इतना घटिया गृह मंत्री कभी नहीं मिला। उन्हें महाराष्ट्र की जनता कभी माफ नहीं करेगी। वह अपनी पार्टी के नेता के बेटे को पनाह दे रहे हैं। राउत ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश सहित कई जगहों पर चीन घुसा हुआ है। ये सरकार डरी हुई है, जो सिर्फ पाकिस्तान को आंखें ही दिखा सकते हैं। पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

पाकिस्तान द्वारा एलओसी पर फायरिंग, एक भारतीय जवान घायल

जम्मू। पाकिस्तान ने एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए एलओसी पर जमकर फायरिंग की। इससे बीएसएफ का एक जवान घायल हुआ है। वहीं भारतीय जवानों ने माकूल जवाब दिया है। खबर है कि बुधवार को पाकिस्तानी सेना ने बगैर किसी कारण के गोलीबारी कर दी। इस घटना में बीएसएफ यानी सीमा सुरक्षा बल के जवान घायल हो गया है। हालांकि, पाकिस्तान की इस हिमाकत का भारतीय जवानों ने भी जवाब दिया और गोलीबारी की। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि सीमा पार कोई हताहत हुआ है या नहीं। खास बात है कि जम्मू-कश्मीर में एक दशक से भी ज्यादा समय में पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पुलवामा हमले और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हो गए थे।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने बुधवार सुबह यहां कहा कि लगभग 02-35 बजे, सीमा पार से अखनूर इलाके में बिना किसी कारण के गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि बीएसएफ की ओर से गोलीबारी का माकूल जवाब दिया गया। उन्होंने जानकारी दी है कि सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और अंतरराष्ट्री सीमा और एलओसी यानी नियंत्रण रेखा के पास कड़ी निगरानी की जा रही है ।भारत और पाकिस्तान के बीच 25 फरवरी 2021 को सीजफायर समझौता रिन्यू हुआ था। हालांकि, बीते साल ही रामगढ़ सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजर की गोलीबारी में बीएसएफ के एक जवान की जान चली गई थी। खास बात है कि सीजफायर उल्लंघन ऐसे समय पर हुआ है, जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव तय हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा चुनाव तीन चरण में होंगे और जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में मतदान 01 अक्टूबर को होगा। दूसरे चरण का चुनाव 25 सितंबर को होगा और मतगणना 08 अक्टूबर को होगी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: सीटें हैं 288 और दावेदार हैं 345, घमासान तो होगा ही?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है। सियासी दल चुनावी अखाड़े में जब कूदेंगे तब कूदेंगे, इससे पहले सीट बंटवारे को लेकर दो दो हाथ होने की जमीन तैयार होती दिखाई दे रही है। महायुति में सीट शेयरिंग पर जिस तरह का पेंच फंसा दिखाई दे रहा है उससे लगता है कि मामला इतनी आसानी से नहीं सुलझ पाएगा। वजह ये है कि राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। भाजपा चाहती है कि 160 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे तो शिंदे की शिवसेना 105 सीटों पर लड़ने का मन बना चुकी है जबकि अजित पवार की एनसीपी 80 सीटों का सपना देख रही है। यदि इन सभी सीटों को जोड़ दिया जाए तो इनकी संख्या 345 होती है, मतलब 57 अतिरिक्त सीटें कहां से आएंगी। बस,यहीं पेंच फंसेगा और सियासी घमासान मचेगा।

मीडिया में आ रहीं खबरों के मुताबिक एक पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री शाह के दौरे के दौरान शिवसेना ने 100 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात रखी है। उन्होंने बताया कि शाह के सामने पूर्व में अविभाजित शिवसेना के साथ-साथ लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के प्रदर्शन को प्रेजेंटेशन दिया गया। उन्होंने कहा, हमें मिलने वाले मराठी और हिंदुत्व वोट बरकरार रहे।उन्होंने कहा, अपने दम पर शिवसेना (यूटीबी) ज्यादा वोट नहीं ले पाएगी। वो इंडिया ब्लॉक के कारण उसे वोट मिलेंगे। अगर हमें 100 से ज्यादा सीटें मिलती हैं, तो ही हम शिवसेना (यूबीटी) का मुकाबला कर पाएंगे और महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को हरा पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि सीट शेयरिंग फॉर्मूले पर इस महीने के अंत तक मुहर लग सकती है। उन्होंने संभावनाएं जताई हैं कि शिवसेना को 80 से 90 सीटें और एनसीपी को 50 से 60 सीटें मिल सकती हैं। खास बात है कि डिप्टी सीएम पवार 25 सीटों पर भाजपा के साथ फ्रेंडली फाइट की खबरों का खंडन कर चुके हैं। जबकि रिपोर्ट के अनुसार, शिवसेना 100 से 105 सीटों पर दावा पेश कर रही है। वहीं, भाजपा 160 सीटों पर उम्मीदवार उतारना चाहती है। जबकि, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 60 से 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जता रही है। महाराष्ट्र में विधानसभा सीटों की कुल संख्या 288 है। इससे पहले साल 2019 का विधानसभा चुनाव भाजपा और अविभाजित शिवसेना ने साथ मिलकर लड़ा था।

बीजेपी ने हमेशा धर्म की राजनीति की, डराना धमकाना ही उसका काम: उमर अब्दुल्ला

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी का दौर शुरु हो गया है। सभी दल पूरी ताकत से चुनाव प्रचार में जुट गए हैं और एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बीजेपी पर हमला बोला। उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ के कुंतवाड़ा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार सज्जाद अहमद किचलू और पद्दार नागसीनी के उम्मीदवार पूजा ठाकुर के पक्ष में मतदान करने की लोगों से अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा धर्म की राजनीति की है।

उमर ने बीजेपी की नीतियों और कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने जम्मू-कश्मीर में डबल इंजन सरकार का दावा किया। हमने भी दस साल तक डबल इंजन सरकार देखी, लेकिन इसका लाभ केवल बीजेपी को ही मिला। हम सालों से इस दिन का इंतजार कर रहे थे कि चुनाव होंगे। 2014 में बीजेपी ने उन लोगों से हाथ मिला लिया, जिनके खिलाफ बीजेपी हमेशा बोलती थी।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हमेशा धर्म के नाम पर राजनीति की, हमने कभी ऐसा नहीं किया। मैं जानता हूं कि जब हम परेशान होते हैं, तो हर धर्म के लोग परेशान होते हैं। हमने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगा। ये बीजेपी वाले डराने-धमकाने के अलावा कुछ नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अफवाह फैलाई है कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस सत्ता में आ जाएंगे तो यहां फिर आतंकवाद वापस आ जाएगा। मैं इन लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि जब मैं सत्ता में था, तो हमने यहां से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर में मतदान तीन चरणों में होना है। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर, दूसरा चरण 25 सितंबर और अंतिम चरण के लिए एक अक्टूबर को होगा। चुनाव परिणाम आठ अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

ग्रामीण क्या शहरी स्वास्थ्य सेवाओं की हालत भी दयनीय

-स्वास्थ्य मंत्रालयों द्वारा जारी आंकड़ों से हुआ खुलासा, डॉक्टरों की है भारी कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दावे तो बहुत होते हैं, लेकिन हकीकत यही है कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी होने के बावजूद प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। चिकित्सकों की भारी कमी और विशेषज्ञों का टोटा अस्पतालों का स्वास्थ्य बिगाड़े हुए है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ और सामान्य चिकित्सकों की भारी कमी से अस्पताल जूझ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में 68 फीसदी विशेषज्ञ डौक्टर्स और 22 फीसदी सामान्य डॉक्टर्स की कमी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रामीण सीएचसी में सर्जन के 73 फीसदी, फिजीशियन के 69 फीसदी, शिशु रोग विशेषज्ञों के 68 फीसदी और स्त्री रोग विशेषज्ञों के 61 फीसदी पद खाली पड़े हुए हैं। यह कमी शिशु एवं मातृ मृत्यु दर सुधारने में प्रमुख बाधा बन रही है।

इसकी अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में स्थिति बेहतर है, लेकिन यहां पर जबकि 3,472 विशेषज्ञ चिकित्सकों की आवश्यकता है, और 1,415 पद अभी भी खाली हैं। पीएचसी में सामान्य डॉक्टरों के 19 फीसदी पद भी खाली हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं।

जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 20फीसदी पद खाली हैं, जिससे सर्जरी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, पिछले 10 वर्षों में मेडिकल पीजी सीटों में 133 फीसदी और एमबीबीएस सीटों में 118 फीसदी की वृद्धि हुई है, लेकिन डॉक्टरों की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए ग्रामीण ही नहीं बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी आवश्यकता बनी हुई है। ग्रामीण इलाकों में, जहां चिकित्सकों की कमी से मरीजों की जान पर सदा खतरा बना रहता है वहीं अन्य सुविधाएं सुचारुरुप से नहीं चहने के कारण मरीज परेशान होते हैं और यहां-वहां भटकने को मजबूर होते हैं।

बीजेपी नेता झारखंड में सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले न दें बयान

-हेमंत सरकार ने चुनाव आयोग से किया आग्रह गृह मंत्री का दें सलाह

रांची (एजेंसी)। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बीजेपी नेताओं हिमंता बिस्वा सरमा और शिवराज सिंह चौहान को सलाह जारी करने के लिए कहे कि वे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए सांप्रदायिक तनाव भड़काने से बचें।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में झारखंड सरकार ने शाह को यह सलाह देने का भी आग्रह किया है कि राजनीतिक लाभ के लिए सीएम पद और ऑफिशियल मशीनरी का दुरुपयोग रोका जाए। इसके अलावा सरकारी खजाने का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए न किया जाए।

झारखंड के कैबिनेट सचिवालय एवं सतर्कता विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने भारत निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में बीजेपी पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को डराने का प्रयास करने का आरोप लगाया है, ताकि वे न्यायोचित एवं विधिसम्मत निवारक एवं दंडात्मक कार्रवाई न कर सकें। उन्होंने कहा कि बीजेपी धार्मिक भावनाओं को प्रभावित और सांप्रदायिक अशांति पैदा करके क्षेत्र में सांप्रदायिक अशांति एवं तनाव पैदा करने का प्रयास कर रही है।

पत्र में निर्वाचन आयोग से निष्पक्षता तय करने, दोनों पक्षों को अवसर देने और आगामी विधानसभा चुनावों के संबंध में झारखंड में तैनात सरकारी अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से पहले विस्तृत जांच करने का भी आग्रह किया गया है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि न केवल राज्य के शीर्ष नौकरशाहों को धमकाने की कोशिश की जा रही है, बल्कि पूरे प्रशासन को पंगु और अपंग बनाने की कोशिश की जा रही है और उन नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है जो कीचड़ उछालने में लगे हैं। राज्य के आंतरिक मामलों और प्रशासन में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

हरियाणा में फिर बनेगी भाजपा सरकार : बबीता फोगाट

चरखी दादरी। विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने पर बबीता फोगाट ने कहा, टिकट नहीं मिलने की कोई टीस नहीं है। मैं भाजपा के कमल के फूल के लिए काम करती हूं। मैं मानती हूं की कमल का फूल जिसको भी मिल जाए, हम उनके साथ लगकर काम करेंगे, मेहनत करेंगे और कमल के फूल को खिलाएंगे। मैं आज के जोश को देखकर कह सकती हूं कि हम चरखी दादरी विधानसभा सीट जीतने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बहुत सोच समझकर चरखी दादरी से सुनील सांगवान को उम्मीदवार बनाया है। मैं पार्टी के इस फैसले के साथ खड़ी हूं। भाजपा प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरे बहुमत के साथ हरियाणा में फिर से सरकार बनेगी। विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने पर बबीता फोगाट ने कहा कि यह विनेश का अपना निर्णय है, विनेश कुछ भी करें। सबकी अपनी-अपनी सोच है, हर किसी की अपनी विचारधारा है। राजनीति का मैदान हर किसी के लिए खुला हुआ है, कोई भी राजनीति कर सकता है। बबीता फोगाट के पिता महावीर फोगाट ने कहा था कि विनेश को 2028 ओलंपिक में हिस्सा लेना चाहिए। इस पर बबीता फोगाट ने कहा, पापा विनेश के गुरु हैं। विनेश को अपने गुरु की बात माननी चाहिए थी। गुरु सही राह दिखाता है और अच्छी शिक्षा भी देता है। गुरु तो हमेशा चाहेगा कि उसका बच्चा अपने लक्ष्य तक जाए।

रेल हादसे का खुलासा: नॉन बिजी रूटों पर ही हुई ज्यादा घटनाएं

-एटीएस पता लगा रही कहीं इसके पीछे कोई आतंकी साजिश तो नहीं

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की कोशिश की गई थी। इसके बाद देश की कई एजेंसियां और एटीएस इसकी जांच कर रही हैं कि कहीं इसके पीछे कोई आतंकी साजिश तो नहीं। कानपुर में बीते कुछ दिन पहले भी ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। वहीं एटीएस की रिपोर्ट की मानें तो बीते दो सालों में देश में 14 ऐसे रेल हादसे हुए हैं जिसमें एक आम बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन हादसों को अंजाम देने के लिए साजिशकर्ताओं ने नॉन बिजी रूट को अपना निशाना बनाया।

कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस हादसे की जांच करने के लिए एटीएस के आईजी नीलाभजा चौधरी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस हादसे को लेकर जांच की जा रही है। यह आतंकी साजिश हो भी सकती है और नहीं भी। जब उनसे यह सवाल किया गया कि कानपुर को ही क्यों टारगेट किया गया तो उन्होंने कहा कि सिर्फ कानपुर टारगेट है ऐसा नहीं है। यूपी के कई शहरों में इस तरीके के मामले सामने आए हैं। कालिंदी एक्सप्रेस हादसे को लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसी संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही हैं।

एटीएस रिपोर्ट सामने आई है जिसमें जब एटीएस द्वारा 2 साल में 14 ऐसे रेल हादसों पर स्टडी की गई तो उसमें एक चौंकाने वाली बात सामने आई। सामने आया कि साजिशकर्ताओं ने ट्रेन हादसा करने के लिए ऐसे रूट चुने थे जो नॉन बिजी रुट थे। उन रूट में ट्रेनों का आना-जाना कम था और इस वजह से ऐसे रूट ज्यादातर सूनसान रहते हैं तो उन पर लोगों का ध्यान और नजर नहीं जाती। कानपुर महानगर की बात की जाए तो करीब 1 महीने के अंदर रेलवे से जुड़े तीन हादसे हो चुके हैं जिसमें 17 अगस्त को कानपुर के गुजैनी से भीमसेन के बीच झांसी रोड पर साबरमती एक्सप्रेस डिरेल हो गई थी। इस घटना में 20 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इसकी जांच भी अभी एजेंसी कर रही है. इसमें भी अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

वहीं बीते पांच सितंबर को गुजैनी पुल पर रेलवे ट्रैक पर एक ट्रक भी गिर गया था। इससे भी रेलवे काफी नुकसान हुआ था। फिर 9 सितंबर को कालिंदी एक्सप्रेस के ट्रैक पर एक सिलेंडर रखा गया था जिसमें ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई थी जिसकी जांच भी अभी कई खुफिया एजेंसी और एटीएस कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन : राजकुमारी केट ने कैंसर के इलाज का अपडेट दिया, बोलीं- कीमोथेरेपी प्रक्रिया पूरी हुई

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजकुमारी केट ने चल रहे कैंसर के इलाज के बारे में अपडेट दिया है। केट का कहना है कि उन्होंने कीमोथेरेपी पूरी कर ली है। राजकुमारी केट (42) ने एक वीडियो में कहा, जैसे-जैसे गर्मियां खत्म हो रही हैं, मैं आपको यह नहीं बता सकता कि आखिरकार मेरी कीमोथेरेपी का इलाज पूरा हो जाने से मुझे कितनी राहत मिली है। वह पूर्वी इंग्लैंड के नॉरफ़ॉक में अपने परिवार के साथ समय बिताती नजर आईं। उन्होंने कहा, पिछले नौ महीने हमारे परिवार के लिए बहुत कठिन रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं कि जीवन एक पल में बदल सकता है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। हमें अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने और नए रास्तों को खोजने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कैंसर मुक्त रहने के लिए मैं जो कुछ भी कर सकती हूं, वह करना अब मेरा लक्ष्य है। मेरी कीमोथेरेपी पूरी हो चुकी है, लेकिन उपचार और पूरी तरह स्वस्थ होने का मेरा रास्ता लंबा है। मुझे हर दिन को उसी तरह लेना जारी रखना चाहिए, जैसा वह आ रहा है। राजकुमारी का कहना है कि वह काम पर वापस लौटने और आने वाले महीनों में कुछ और सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हैं। राजकुमार विलियम की पत्नी केट ने मार्च में कैंसर होने का खुलासा किया था। लेकिन फरवरी के अंत में ही उनकी कीमोथेरेपी शुरू हो गई थी।

वियतनाम में तूफान यागी से 59 लोगों की मौत, कई लापता

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में तूफान यागी और इसके कारण आये बाढ़ और भूस्खलन से काफी तबाही हुई है। कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार, आपदा की चपेट में आने से देश के उत्तरी क्षेत्र में 59 लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने वियतनाम की एक समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण 247 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 157 क्वांग मिन्ह प्रांत से और 40 लोग हाई फोंग शहर से हैं। आपदा में 25 मानव रहित नौकाएं और जहाज डूब गए, जिनमें से ज्यादातर मछली पकड़ने वाली नावें थीं। इस आपदा से 1,13,000 हेक्टेयर चावल के खेत और 22,000 हेक्टेयर से अधिक अन्य फसलों के खेतों को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा 1,90,000 पक्षी मारे गए और लगभग 1,21,700 पेड़ क्षतिग्रस्त हो गए। वियतनाम के उत्तरी फू थो प्रांत में सोमवार सुबह एक स्टील पुल ढह गया, जिसके कारण 10 गाड़ियां और दो मोटरसाइकिलें रेड नदी में गिर गईं तथा 13 लोग लापता हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, काओ बांग प्रांत में भूस्खलन के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और कई लापता हो गए। वहीं, लाओ कै प्रांत में 15 लोगों की मौत हो गई। मंत्रालय के अनुसार, टाइफून यागी पिछले 30 साल में उत्तरी वियतनाम में आया सबसे भयंकर तूफान था। यागी का जापानी में अर्थ बकरी या मकर राशि होता है। यह चीन सागर में आये चार श्रेणी 5 सुपर टाइफून में से एक है। यागी की उत्पत्ति 30 अगस्त को बने कम दबाव वाले क्षेत्र में हुई थी, जो लगभग 540 किलोमीटर की दूरी पर था। इस सिस्टम को 1 सितंबर को उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में वर्गीकृत किया गया और जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) द्वारा यागी नाम दिया गया।

कतर, यमन के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर हुई चर्चा

दोहा, एजेंसी। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने यमन के प्रधानमंत्री अहमद अवद बिन मुबारक के साथ बैठक की। बैठक के दौरान यमन की ताजा स्थिति पर चर्चा हुई। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। कतर के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, रविवार को हुई वार्ता के दौरान कतर पीएम अल थानी (जो विदेश मंत्री भी हैं) और अहमद अवद बिन मुबारक ने द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बयान में अल थानी ने कहा कि उनका देश हमेशा यमन की मदद को तैयार रहेगा। जिससे यहां के लोग सुरक्षा, स्थिरता और विकास संबंधित अपनी आकांक्षाओं को पूरा करें। इस बीच, मुबारक की ओर से आधिकारिक एक्स अकाउंट से कहा गया कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर बात हुई। बयान के मुताबिक, पीएम मुबारक ने अपने समकक्ष अल थानी को यमन के बारे में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों से भी अवगत कराया। गाजा पट्टी पर इजरायली हमले को लेकर भी मंथन।

भारतीय मूल के लेखक अमिताव घोष को ब्रिटिश अकादमी पुरस्कार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के लेखक अमिताव घोष को मंगलवार को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज फॉर ग्लोबल कल्चरल अंडरस्टैंडिंग 2024 के लिए चुना गया है। घोष की स्मोक एंड एशेज : ओपियम्स हिडन हिस्ट्रीज पुरस्कार के लिए पांच अन्य अंतरराष्ट्रीय खिताबों के साथ दौड़ में है। कोलकाता में जन्मे और अमेरिका निवासी लेखक की न्यायाधीशों द्वारा इस अत्यधिक पठनीय यात्रा वृतांत, संस्मरण और इतिहास को जीवंत करने के लिए कहानी कहने के कौशल के लिए सराहना की गई।

यूक्रेन का रूस पर आग उगलने वाले ड्रोन से हमला: लावा से रूस के जंगलों में आग लगी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूसी हमले का जवाब देने के लिए खतरनाक 'ड्रैगन ड्रोन' का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। यूक्रेनियन डिफेंस मिनिस्ट्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कई वीडियो पोस्ट किए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि ड्रोन पेड़ों के ऊपर उड़ रहा है। वह लावा फेंक रहा है जिसकी वजह से जंगल में आग लग गई है। सीएनएन के मुताबिक यूक्रेनी सेना ने पेड़ों की ओट में छिपे रूसी सैनिकों को खत्म करने के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इस ड्रोन में थर्माइट का इस्तेमाल हुआ है जो एल्युमिनियम पाउडर और आयरन ऑक्साइड का एक मिश्रण है। यह 4 हजार डिग्री फारेनहाइट तापमान पर जलता है। यह ड्रोन जब उड़ता है तो इससे आग का लावा निकलता है जो कि पौराणिक कथाओं के ड्रैगन जैसा दिखाई देता है। यही वजह है कि इसे ड्रैगन ड्रोन कहा जाता है। इस ड्रोन से निकलने वाला लावा पेड़ ही नहीं बल्कि स्टील को भी पिघला सकता है। रूस और यूक्रेन दोनों ही थर्माइट का इस्तेमाल कर रहे रिपोर्ट के मुताबिक रूस और यूक्रेन दोनों ही देश इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। रूस ने 2023 में पूर्वी यूक्रेनी शहर वुहलदार पर थर्माइट बम का इस्तेमाल किया। जलता हुआ थर्माइट जल्दी नहीं बुझाया जा सकता है इसलिए इसकी जद में आने वाले भारी वाहन हों या हथियार सभी बर्बाद हो जाते हैं। अब यूक्रेन की 60वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड इसका इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये ड्रोन इतने सटीक हैं

कि कोई भी दूसरा इसका मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जब हमारा 'विदार' उड़ेगा तो रूसी महिलाओं को नींद नहीं आएगी। विदार पुराने समुद्री लड़ाके वाइकिंग्स के देवता हैं जो बदला लेने के लिए जाने जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक थर्माइट को पहली बार 1890 में एक जर्मन केमिस्ट ने तैयार किया था। इसका इस्तेमाल मूल रूप से रेल की पटरियों को आपस में जोड़ने के लिए किया जाता था। लेकिन बाद में इसका इस्तेमाल जंग में भी होने लगा। पहली बार युद्ध में जर्मनी ने इसका इस्तेमाल किया। उन्होंने ब्रिटेन पर एक जेप्लिन से इसे गिराया। जेप्लिन एक प्रकार का गुब्बारा होता है। इसके बाद दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका ने टोक्यो में इसका इस्तेमाल किया था। अमेरिकी सेना ने वियतनाम में भी इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। रिपोर्ट के मुताबिक सेना के खिलाफ इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं है मगर आम नागरिकों को इससे निशाना नहीं बनाया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण कार्यालय के अनुसार आग लगाने वाले हथियार बड़े पैमाने पर विनाश और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं और ऐसी आग पैदा करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने भी ग्रेनेड में थर्माइट का इस्तेमाल किया है। अमेरिकी सेना ने 1960 से 2014 तक थर्माइट वाले ग्रेनड को उत्पादन किया। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने फिर से इसे बनाना शुरू कर दिया है।

इराक ने अमेरिकी सांसदों के तेल तस्करी के आरोपों को नकारा

बगदाद , एजेंसी। इराक ने अमेरिका के कुछ सांसदों के उस आरोप को नकार दिया है, जिसमें कहा गया था कि ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों का बावजूद इराक उसकी मदद करने के लिए अवैध तरीके से कच्चे तेल की तस्करी कर रहा है। इराक के तेल मंत्रालय ने अमेरिकी सांसदों के इस आरोप को बेवजह का मनगढ़ंत आरोप बताया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, बुधवार को पांच अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को पत्र लिखकर कई इराकी दलों और अधिकारियों पर ईरान को अवैध तरीके से कच्चा तेल तस्करी करने का आरोप लगाया था। उन्होंने पत्र में इराकी तेल मंत्री हयान अब्दुल गनी पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। हयान अब्दुल गनी जल्द ही अमेरिका की यात्रा करने वाले हैं। इन अमेरिकी सांसदों ने रविवार को राष्ट्रपति बाइडेन से आग्रह किया कि वह इस मामले की जांच पूरी होने तक गनी को वाशिंगटन आने से रोकें। इसके बाद इराक के तेल मंत्रालय ने अमेरिकी सांसदों द्वारा राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र पर आश्चर्य प्रकट करते हुए इसकी निंदा की। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इराक की कच्चे तेल से जुड़ी गतिविधियों पर अंतर्राष्ट्रीय निरीक्षक निगरानी रखते हैं और इराक के समुद्री क्षेत्र पर देश के नौसैनिक बलों का कड़ा नियंत्रण रहता है।

कनाडा में यहूदी छात्रों की सुरक्षा के लिए स्पेशल गश्ती दल तैनात

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान यहूदी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यहूदी सुरक्षा गश्ती दल, जेफोर्स और मैगन हेरूट कनाडा, तैनात किए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेफोर्स के लोगो वाली सुरक्षात्मक गियर पहने हुए चार सदस्यों को देखा गया, जिन्हें यहूदी छात्रों को प्रदर्शनकारियों से बचाने के लिए बुलाया गया था। कनाडाई यहूदी समाचार के अनुसार, शुक्रवार को फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन के दौरान ये गश्ती दल टोरंटो विश्वविद्यालय परिसर में तैनात किए गए थे। मैगन हेरूट कनाडा के संस्थापक, आरोन हदीदा ने कहा, हमारा मकसद यहूदी समुदाय की सुरक्षा करना और शांति बनाए रखना है। उन्होंने और उनकी टीम ने निगरानी टीम लिखी हुई काली शर्ट पहनकर परिसर के प्रवेश द्वार पर स्थिति संभाली थी। हदीदा ने बताया कि 7 अक्टूबर के हमले के बाद से दुनिया भर में यहूदी विरोधी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, जिसके बाद से उन्होंने अपनी गश्ती टीम के लिए और अधिक स्वयंसेवकों की भर्ती शुरू की। अगस्त के अंत में कनाडा के 100 से अधिक यहूदी संस्थानों को बम की धमकियों का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। मैगन हेरूट कनाडा के एक स्वयंसेवक, टोची ओसुजी ने छ्ब्छ्ह से कहा कि पुलिस की मदद सीमित होती है और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी रही है। उन्होंने कहा, यहूदी छात्रों को सुरक्षा का अहसास दिलाना जरूरी है, और हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई उन पर नज़र रख रहा है। यह गश्ती दल यहूदी छात्रों को सुरक्षा प्रदान करने और संभावित हिंसा से बचाने के उद्देश्य से सक्रिय है। यह मामला टोरंटो विश्वविद्यालय में यहूदी छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा है, जहां हाल ही में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के दौरान यहूदी छात्रों पर हमले और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ी हैं।

चीन-रूस की बढ़ी दोस्ती, जापान सागर में करेंगे संयुक्त नेवी और वायुसैनिक अभ्यास

बीजिंग, एजेंसी। चीन के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को इस महीने रूस के साथ संयुक्त नौसैनिक और वायुसैनिक अभ्यास करने का ऐलान किया जो उनकी सेनाओं के बीच घनिष्ठता को रेखांकित करता है। इस बीच रूस यूक्रेन पर अपने आक्रमण पर जोर दे रहा है। मंत्रालय ने कहा कि 'नॉर्दर्न यूनाइटेड-2024 अभ्यास जापान सागर और सुदूर उत्तर में स्थित ओखोटस्क सागर में होगा, लेकिन कोई विवरण नहीं दिया गया है। इसमें कहा गया है कि नौसैनिक और हवाई अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग में सुधार करना और सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने की उनकी क्षमता को मजबूत करना है। मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया है कि दोनों नौसेनाएं पांचवीं बार प्रशांत महासागर में एक साथ उतरेंगी और रूस के 'ग्रेट ओशन-24 अभ्यास में एक साथ भाग लेंगी। लेकिन इसका कोई विवरण नहीं दिया गया। चीन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के पूर्ण हमले की आलोचना करने से इनकार कर दिया था। अब तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुके युद्ध के मद्देनजर चीन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उकसाने के लिए अमेरिका और नाटो को दोषी ठहराया है। चीन ने रूस को प्रत्यक्ष रूप से कोई हथियार नहीं मुहैया कराया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच गोलाबारी में 8 तालिबानी लड़ाके मारे गए: 2 कमांडर भी शामिल

इस्लामाबाद, एजेंसी। तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच रविवार रात भारी गोलीबारी हुई। पाकिस्तानी वेबसाइट जियो न्यूज के मुताबिक इसमें कम से कम 8 तालिबानी लड़ाके मारे गए। वहीं, 16 घायल हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि खोस्त प्रोविंस में बॉर्डर पर रात 9 बजे दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हुई जो चार घंटे तक चली। सीमा सुरक्षा कर्मियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मारे गए लोगों में अफगान तालिबान के 2 वरिष्ठ कमांडर खलील और जान मुहम्मद भी शामिल हैं। भिड़ंत में पाकिस्तान के कितने सैनिक हताहत हुए हैं इसकी जानकारी नहीं है।

तालिबानी सरकार में सीमा विवाद बढ़ा : इससे पहले भी पाकिस्तान-तालिबान के बीच 4 सितंबर की रात गोलाबारी हुई थी। दरअसल तालिबान सरकार पाकिस्तान से जुड़े सीमावर्ती इलाकों में नई चौकियों का निर्माण कर रही है। यही वजह है कि दोनों पक्षों के बीच आए दिन झड़प हो रही है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को एक काल्पनिक डूरंड रेखा अलग करती है, लेकिन अफगानिस्तान ने इसे मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान का मानना है कि ये रेखा जानबूझ कर ब्रिटिश अफसरों ने खींची थी ताकि पश्तो समुदाय का बंटवारा किया जा सके। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच इसे लेकर विवाद रहता है। जानकारों के मुताबिक पाकिस्तान को उम्मीद थी कि तालिबान शासन डूरंड लाइन को मान्यता देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

दोबारा सत्ता में आने के बाद तालिबान ने पुरानी सरकार के रूख पर कायम रहते हुए सीमावर्ती इलाकों पर अपना दावा ठोक दिया। इसके इलावा तालिबान सरकार ने इन इलाकों में नई चौकियों को तैयार करना शुरू कर दिया। इस बीच ब्रिटेन दौरे पर गए पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने इस हालत का जिम्मेदार इमरान खान को बताया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इशाक डार ने कहा कि इमरान सरकार ने तालिबान का समर्थन करने और अशरफ गनी की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कई ऐसे आतंकियों को रिहा कर दिया जो आज देश के लिए मुसीबत बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये आतंकी ही बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सैनिकों को निशाना बना रहे हैं। डार ने लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिना नाम लिए एक तीन सितारा जनरल का जिक्र किया। डिप्टी पीएम ने कहा कि एक कप चाय पीने के लिए काबुल गए एक थ्री स्टार जनरल के फैसलों ने देश को काफी नुकसान पहुंचाया है। हम उस एक कप चाय की कीमत चुका रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक तब जनरल हमीद काबुल दौरे पर गए थे। उन्हें एक वीडियो में चाय पीते हुए देखा गया था। पत्रकार के सवाल पूछने पर उन्होंने कहा था कि 'सब ठीक हो जाएगा।

इमरान खान की पार्टी के शीर्ष नेता संसद भवन के बाहर गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के शीर्ष नेताओं को पुलिस ने नेशनल असेंबली के सत्र के बाद संसद भवन के बाहर से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। 'डॉन अखबार ने पुलिस प्रवक्ता जावेद ताकी के हवाले से बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता बैरिस्टर गौहर अली खान, शेर अफजल खान मारवात और एडवोकेट शोएब शाहीन को इस्लामाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ऐसी जानकारी है कि सबसे पहले मारवात को हिरासत में लिया गया।

मारावात की गिरफ्तारी के संदर्भ में पीटीआई पार्टी ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''पीएमएलएन सरकार को नेशनल असेंबली के मौजूदा सदस्य के खिलाफ इस तरह के कदम पर पूरी तरह शर्म आनी चाहिए। यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है। पार्टी ने इस्लामाबाद पुलिस पर ''अवैध आदेशों का पालन करने का आरोप लगाया और इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक से ''इस कार्रवाई को रोकने का आह्वान किया। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि मारवात को एक नए कानून-शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक, 2024 के तहत नियमों का उल्लंघन करने के लिए

गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पीटीआई सांसद पर एक दिन पहले पुलिस कर्मियों के साथ झड़प का आरोप लगाया गया था।

एक अन्य पोस्ट में पीटीआई पार्टी ने पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर की गिरफ्तारी को ''गैरकानूनी बताते हुए इसकी निंदा की। मारवात ने 'एक्स पर पोस्ट एक बयान में कहा, ''सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह इमरान खान और उनके सिपाहियों से कितनी डरी हुई है। विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने गिरफ्तारियों की निंदा की और आरोप लगाया कि इस्लामाबाद पुलिस ने उन्हें, पीटीआई नेता जरताज गुल वजीर और ''अन्य सहकर्मियों को गिरफ्तार करने के लिए दल गठित किए हैं।

उन्होंने बताया कि पीटीआई के अन्य सांसद संसद भवन के भीतर हैं और पुलिस की मौजूदगी के कारण बाहर नहीं निकल पाए हैं। क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान कई कानूनी मुकदमों का सामना कर रहे हैं और वह भ्रष्टाचार के एक मामले में सजा सुनाए जाने के बाद करीब एक साल से जेल में हैं। सूत्रों ने बताया कि उमर और जरताज के साथ ही हम्माद अजहर, कंवल शौजाब, नईम हैदर पंजुथा, अमीर मुगल और खालिद खुर्शीद समेत पीटीआई के और नेताओं को भी गिरफ्तार किए जाने की आशंका है।

गाजा में संघर्ष विराम की पेशकश, संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटरेस बोले- इस स्तर की मौत-विनाश कभी नहीं देखा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटरेस ने सोमवार को इस्राइल और हमास के बीच गाजा में चल रहे संघर्ष विराम की निगरानी करने की पेशकश की। अपने सात साल से अधिक के कार्यकाल में उन्होंने गाजा संघर्ष को अब तक की सबसे बुरी घटना बताया। साथ ही गाजा में मौत और विनाश को रोकने की मांग की। गुटरेस ने एक साक्षात्कार में कहा, यह सोचना अवास्तविक है कि संयुक्त राष्ट्र गाजा संघर्ष को रोकने में भूमिका निभा सकता है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को इस्राइल द्वारा स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। लेकिन, संयुक्त राष्ट्र किसी भी संघर्ष विराम का समर्थन करने के लिए उपलब्ध रहेगा। संयुक्त राष्ट्र के पास 1948 से मध्य पूर्व में एक सैन्य निगरानी मिशन है, जिसे यूएनटीएसओ के नाम से जाना जाता है। गुटरेस ने कहा, हमारी ओर से, यह उन परिकल्पनाओं में से एक थी, जिसे हमने मेज पर रखा है। गुटरेस ने कहा, बेशक, अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमसे जो भी मांगेगा, हम वह करने के लिए तैयार रहेंगे। सवाल यह है कि क्या पार्टियां इसे स्वीकार करेंगी, और विशेष रूप से क्या इस्राइल इसे स्वीकार करेगा। उन्होंने आगे कहा, गाजा में हम जिस स्तर की पीड़ा देख रहे हैं, वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रूप में मेरे जनादेश में अभूतपूर्व है। मैंने इस स्तर की मौत और विनाश कभी नहीं देखा, जैसा कि हम पिछले कुछ महीनों में गाजा में देख रहे हैं।

गुटरेस ने जोर देकर कहा कि दशकों पुराने इस्राइल-फलस्तीनी संघर्ष का दो-राज्य समाधान न केवल व्यवहार्य है, बल्कि यह एकमात्र समाधान है। उन्होंने अलंकारिक रूप से पूछा कि क्या विकल्प व्यवहार्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य लोग फलस्तीनी राज्य का समर्थन करते हैं, लेकिन इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने दो-राज्य समाधान के आह्वान का विरोध किया है। नेतन्याहू और उनकी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र पर इस्राइल विरोधी होने का आरोप लगाया है और गाजा में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय अभियानों की अत्यधिक आलोचना की है। बता दें कि सात अक्तूबर को दक्षिणी इस्राइल में हमास के हमलों के कारण गाजा पर इस्राइल का सैन्य हमला 11 महीने तक खिंच गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्ध में 40900 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं।

चीन नहीं आ रहा अपनी हरकतों से बाज, एक बार फिर ताइवान की सीमा के पास भेजे 17 सैन्य विमान

ताइपे, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए।

इतने विमान दिखाई दिए : ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि सोमवार सुबह छह बजे से मंगलवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी सात नौसैनिक पोत, एक आधिकारिक जहाज और 17 सैन्य विमान उड़ान भरते देखे गए। सेना ने बताया कि 17 विमानों में से 12 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी।

हम स्थिति पर नजर रखे हुए: एमएनडी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज सुबह 17 विमान , सात पोत और एक जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 12 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं। रविवार को भी घुसे थे विमान इससे पहले,

एमएनडी ने सोमवार को बताया था कि ताइवान के पास रविवार सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) से सोमवार सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक 21 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज के संचालन का पता चला है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 16 विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया।

क्या है ग्रे जोन रणनीति : गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोन रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है।

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

ललित गर्ग

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है।

जवायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढ़ता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।

यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, वह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।

हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्योगपतियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-निर्यात प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिवर्ष के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा?

रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

संपादकीय

कठघरे में ममता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद जवाहर सरकार का पार्टी और राज्य सभा की सदस्यता से त्यागपत्र देने का साफ संदेश है कि कोलकाता के आर.जी. कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले को ममता की सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। लोकतंत्र 'जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए' शासन कहा जाता है। लोकतांत्रिक सरकारें जनता के प्रति उत्तरदायी होती हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आमतौर पर भारत की लोकतांत्रिक सरकारें जनता की आवाज को अनसुना कर देती है। राज्य की शक्तियों का इस्तेमाल जनता की आवाज को कुचलना और दबाने के लिए किया जाता है। पश्चिम बंगाल के इस संवेदनशील मामले में भी ऐसा ही देखा गया और इसी का परिणाम है कि सरकार की नाकामियों के विरुद्ध डॉक्टर और आमजनों का आंदोलन व्यापक होता जा रहा है। लोगों को याद होगा कि 75 के बिहार छात्र आंदोलन की आवाज को भी राज्य और केंद्र की सरकार ने पुलिस के बल पर दबाने की कोशिश की थी। परिणाम यह हुआ कि तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपने जीवन का सबसे सर्वनाशकर का सामना करना पड़ा था। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी पूर्ववर्ती वाममोर्चा की सरकार पर भी जनता की आवाज को दबाने का आरोप लगाया करती थीं। सत्ता में आने के बाद वह खुद इसी तरह का आचरण कर रही हैं। इसमें हैरानी की बात भी नहीं है क्योंकि इस तरह की चिंताओं का सत्ताओं का यही चरित्र होता है। ममता बनर्जी इस जन आक्रोश को केंद्र सरकार और वामपंथी पार्टियों की साजिश बता रही हैं जबकि सरकार प्रशिक्षु डॉक्टर के मामले पर हो रहे विरोध प्रदर्शन को स्वतः स्फूर्त बता रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार के खिलाफ ऐसा गुस्सा और अविश्वास कभी नहीं देखा है। सरकार की छवि ईमानदार नौकरशाह की रही है। वह केंद्र की भाजपा की नीतियों से छब्बे होकर टीएमसी में शामिल हुए हैं। अब उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। जाहिर है ऐसे ईमानदार व्यक्ति के पद त्याग का मतलब है कि टीएमसी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रशिक्षु डॉक्टर से की गई हैवानियत की केस दर्ज करने में पुलिस द्वारा की गई 14 घंटे की देरी पर सवाल उठाया और पोस्टमार्टम के लिए आवश्यक कागजात नहीं होने पर चिंता जताई है। देखना है कि जुझारू नेता रहीं ममता इन मुश्किलों का सामना कैसे कर पाती हैं?

महिला सुरक्षा भी होगा चुनावों में बड़ा मुद्दा

निर्मल रानी

ओलम्पियन विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने तथा जुलाना विधानसभा क्षेत्र से अपनी चुनावी पारी की शुरूआत करने के बाद एक बात यह भी स्पष्ट हो गयी है कि कांग्रेस विनेश का इस्तेमाल केवल स्पोर्ट्स स्टार और जाट चेहरे मात्र के रूप में ही नहीं करेगी बल्कि वह इस सुप्रसिद्ध व लोकप्रिय ओलम्पियन के बहाने भारतीय जनता पार्टी को महिला सुरक्षा के नाम पर देशभर में घेरने का भी प्रयास करेगी। भाजपा ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा देकर तथा इस योजना के प्रचार पर सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च कर देश की जनता को यह सन्देश देने की कोशिश की थी कि भाजपा ही बेटी / महिलाओं की एकमात्र हितैषी पार्टी है तथा भाजपा के राज में ही महिलाओं के हितों की पूरी रक्षा व मान सम्मान संभव है। परन्तु यह भी अजीब संयोग है कि इसी भाजपा के राज में देश के अनेक प्रांतों में ऐसी सैकड़ों घटनाएं हो चुकीं जो महिलाओं पर होने वाले अत्याचार में एक मिसाल बन गयीं। क्या मणिपुर तो क्या बंगाल, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से तो ऐसी रूह कांपने वाली अनेक घटनाएं हो चुकीं जिनकी दूसरी कोई मिसाल नहीं मिलती।

महिला उत्पीड़न, बलात्कार व हत्या जैसे घृणित अपराधों में यह भी देखा गया है कि ऐसे कई भाजपा शासित राज्यों में होने वाली ऐसी सनसनीखेज वारदातों में भाजपा की ओर से खामोशी बरती गयी जबकि किसी गैर भाजपा शासित राज्य खासकर बंगाल में यदि कोई घटना घटी तो उसे भाजपा द्वारा इस हद तक उछाला गया कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने की चर्चा तक छिड़ गयी? जबकि मणिपुर में महिलाओं के साथ जैसे जुल्म हुये वह स्वतंत्र भारत के इतिहास में आज तक कहीं भी नहीं हुये। परन्तु चूँकि मणिपुर भाजपा शासित राज्य है इसलिये इन घटनाओं के लिये न तो वहां के मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया गया न ही किसी से त्याग पत्र माँगा गया? उत्तरांचल में भी ऊंचे रसूख रखने वाले भाजपाई नेता के पुत्र बलात्कार, हत्या जैसे मामलों में शामिल पाए गये। भाजपा शासित राज्यों में घटी ऐसे अनेक घटनावें सरकार की 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की मुनादी पर सवाल खड़ा कर रही हैं। इसी बीच ओलम्पियन विनेश फोगाट का कांग्रेस का दामन थामना भी भाजपा के लिये बड़ा सिर दर्द साबित हो सकता है। क्योंकि विनेश फोगाट उन विश्वस्तरीय ओलम्पिक पदक विजेता पहलवानों में एक है जिसने उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपा सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण सिंह द्वारा कुछ महिला पहलवानों के साथ कथित रूप से किये गये दुर्व्यवहार के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुये जंतर मंतर पर धरना दिया था। यह धरना गत वर्ष 28 मई 2023 को उस समय और भी सुर्खियों में छा गया था जबकि उस दिन नये संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर बृज भूषण सिंह के विरुद्ध धरनारत इन पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने बलपूर्वक जंतर मंतर से घसीट कर धरना समाप्त करा दिया था। उस दिन देश ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाली भाजपा के दो चरित्र व चेहरे देखे थे। एक तरफ तो उत्पीड़न की शिकार देश का मान सम्मान विश्व में बढ़ने वाली बेटियां पुलिस जुल्म का शिकार हो रही थीं उन्हें सड़कों पर घसीटा जा रहा था। जबकि ठीक उसी समय नारी उत्पीड़न का आरोपी बृज भूषण सिंह मुस्कुराता हुआ नवनिर्मित संसद भवन के उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ा रहा था। इन्हीं धरनारत पहलवानों में दिल्ली पुलिस की ज्यादतियों का शिकार एक खिलाड़ी विनेश फोगट भी थी जो अब कांग्रेस में शामिल होकर पूरे देश को भाजपा के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के खोखले दावों और इसकी हकीकत में अंतर से परिचय कराएगी। इसी महिला सम्मान के सवाल को लेकर एक और 'सेल्फ गोल' करते हुये भाजपा द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में चरखी दादरी से पूर्व जेलर सुनील सांगवान को टिकट दिया गया है। सुनील सांगवान की विशेषता यह है कि रोहतक की सुनारिया जेल में उनके जेल अधीक्षक के कार्यकाल के दौरान रेप व हत्या के दोषी गुरमीत राम रहीम को 6 बार पैरोल मिली थी। इस पैरोल को दिलाने में सहायता करने में जेलर सुनील सांगवान की विशेष भूमिका थी। राम रहीम को मिली पिछली पैरोल के दौरान ही यह स्क्रिप्ट लिखी जा चुकी थी। तभी जैसे ही राम रहीम अपनी पैरोल खत्म कर जेल पहुंचा उसके फौरन बाद ही सुनील सांगवान ने जेलर पद से त्याग पत्र दिया जिसे फौरन स्वीकार भी कर लिया गया। उसके अगले ही दिन उन्होंने सार्वजनिक मंच पर आकर भाजपा ज्वाइन की। और दो दिन बाद ही भाजपा की पहली सूची में ही चरखी दादरी से सुनील सांगवान का नाम भाजपा प्रत्याशी के रूप में सामने आ गया। गोया 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाली भाजपा में गुरमीत राम रहीम जैसे रेप और हत्या के दोषी व सजा काट रहे अपराधी की इतनी पहुँच है कि वह अपनी पसंद के व्यक्ति को पार्टी टिकट भी दिला सकता है? साथ ही ऐसे अपराधी का 'करम फरमाँ' जेलर चुनाव मैदान में आकर महिला सुरक्षा के विषय में अपने क्या विचार रखेगा? वह सब सवाल ओलम्पियन विनेश फोगाट आगामी चुनाव में केवल हरियाणा ही नहीं बल्कि कांग्रेस की स्टार प्रचारक के रूप में भाजपा से देश भर में पूछने जा रही है। भाजपा स्वयं को उन आरोपों से भी दूर नहीं रख सकती जो उसपर बिल्कीस बानो के सजायाफ़्ता अपराधियों की रिहाई को लेकर लगे थे। क्योंकि गुजरात की भाजपा सरकार ने तो उन सामूहिक बलात्कारियों व हत्यारों को रिहा कर दिया था परन्तु सर्वोच्च न्यायलय ने गुजरात सरकार के इस फैसले को निरस्त हुये उन्हें पुनः जेल की सलाखों के पीछे धकेला। तब कहाँ चला गया था भाजपा का महिला सुरक्षा का दावा? बेटी बचाओ योजना का उस समय ध्यान क्यों नहीं आया? जब भाजपा सरकार के मंत्री विधायक व कार्यकर्ता कठुआ की 8 वर्षीय आसिफा के बलात्कार व उसकी हत्या के आरोपियों के पक्ष में जुलूस निकाल रहे थे। जब उनके पक्ष में तिरंगा यात्रा निकल कर तिरंगे को भी बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे उस समय कहाँ था भाजपा का नारी न्याय और बेटी बचाओ का उद्घोष? ऐसे और अनेक सवाल जो भाजपा में महिला बाल विकास मंत्री रही स्मृति ईरानी नहीं पूछ सकीं उस तरह के सवाल अब विपक्षी इंडिया गठबंधन की तरफ से विनेश फोगाट यानी एक ऐसी ओलम्पियन देश में घूम घूम कर पूछेगी जोकि स्वयं नारी शोषण शिकार रही है वह भी कथित रूप से भाजपा के दबंग सांसद के द्वारा? इसलिये विनेश फोगट का कांग्रेस में आना केवल किसी ओलम्पियन का किसी पार्टी में शामिल होना मात्र नहीं है बल्कि विनेश फोगट के रूप में महिला सुरक्षा भी वर्तमान में हो रहे व भविष्य में होने वाले चुनावों में एक बड़ा मुद्दा होगा।

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सद्गुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं; उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आप माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो।

पैरालंपिक में भारतः सोच में आए बदलाव का नतीजा

मोनज चतुर्वेदी

भारत अब पैरालंपिक खेलों में एक ताकत के रूप में उभर रहा है। उन्होंने पेरिस पैरालंपिक खेलों में सात स्वर्ण पदक सहित 29 पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। अब यह कहा जाने लगा है कि भारत के अब सामान्य खिलाड़ियों को पैरा एथलीटों से प्रेरणा लेने की जरूरत है, क्योंकि पिछले दिनों भारत पेरिस ओलंपिक में एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीत सका था और उसके पदकों की संख्या भी छह थी। अब सोचने वाली बात यह है कि तमाम मुश्किलों को पार करके जब पैरा एथलीट बुलेटियों को छू सकते हैं तो हमारे सामान्य खिलाड़ियों को क्या दिक्कत है। सही मायनों में पैरा एथलीटों के इस धमाल की वजह पिछले कुछ समय में सोच में आए बदलाव का यह नतीजा है। भारत के लिए स्वर्ण जीतने वाले नीतेश कुमार, अवनि लेखरा, सुमित अंतिल, हरविंदर सिंह, धरमबीर सिंह, प्रवीन कुमार और नवदीप सिंह में कोई भी ऐसा नहीं है, जिसने पहले अपनी शारीरिक अपंगता से उबरने के लिए संघर्ष नहीं किया हो। इन सभी ने पैरा खेलों में हाथ आजमाकर देशवासियों के सामने मिसाल पेश की है। वैसे भी युवाओं को प्रेरित करने के लिए एक नायक की जरूरत होती है। पर अब देश ने इन खेलों में ढेरों नायक खड़े कर दिए हैं, इसलिए युवा भी अपनी अपंगता को दुख मनाने के बजाय खेलों में हाथ आजमाने को आगे आने लगे हैं। वह दिन भी दूर नहीं, जब भारत इन खेलों के टॉप दस देशों में नजर आ सकता है। हम पेरिस पैरालंपिक खेलों की बात करें तो भारत ने 29 में से 13 पदक एथलेटिक्स में हासिल किए हैं। भारत द्वारा जीते सात स्वर्ण पदकों में से चार और नौ रजत पदकों में से छह पदक एथलेटिक्स में आए हैं। भारत ने बैडमिंटन और निशानेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पर तीरंदाजी, जूड़ो, टेबल टेनिस सहित कई अन्य खेलों में भी बेहतर प्रदर्शन करने की संभावनाएं हैं। भारतीय प्रदर्शन पर हम नजर डालें तो साफ दिखता है कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आ रहा है। इसके लिए प्रवीण कुमार का ऊंची कूद में टोक्यो के रजत को स्वर्ण में बदलना, हरविंदर का तीरंदाजी कांस्य को स्वर्ण में बदलने के अलावा हाईजंपर शरद कुमार और निषाद कुमार, शटलर सुहास यथिराज, डिस्कस थ्रोअर योगेश का पदक का रंग बदलने को देखा जा सकता है। पैरालंपिक खेल पहले विश्व स्तर पर ही बहुत लोकप्रिय नहीं थे और भारत में तो इन खेलों की लोकप्रियता का सवाल ही कहां उठता है? यही वजह है कि भारत शुरूआत में इन खेलों में नियमित तौर पर भाग ही नहीं लेता था। 1984 से जब इन खेलों में भाग लेना नियमित तौर पर शुरू हुआ, तब भी उसके भाग लेने में गंभीरता का एकदम से अभाव दिखता था। यही वजह है कि ज्यादातर खेलों में भाग लेने वालों की संख्या 4-6 ही हुआ करती थी। भारत ने 1984 से लेकर 2012 तक आठ खेलों में सिर्फ सात पदक ही जीते। सही मायनों में भारत में पैरा एथलीटों को सही दिशा मिलने की शुरुआत 2016 के रियो पैरालंपिक से हुई और इसमें सरकारी सहयोग के साथ देश की पैरालंपिक समिति की बागडोर पैरा एथलीटों के हाथों में आने ने अहम भूमिका निभाई। 2016 के रियो खेलों में रजत पदक जीतने वाली दीपा मलिक 2020 में इस समिति की प्रमुख बनीं तो आजकल इन खेलों की समिति के दोहरे स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया अध्यक्ष हैं। असल में यह लोग अच्छे से जानते थे कि इन खिलाड़ियों को किस तरह ट्रेनिंग की जरूरत है और उनको क्या सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। इसी का परिणाम पहले 2020 के टोक्यो पैरालंपिक और पेरिस खेलों में देखने को मिला है। यह सही है कि 2016 में भारत ने दो स्वर्ण सहित चार ही पदक जीते। पर इन खेलों से ही भारतीय पैरा एथलीटों में यह भावना बनी कि वह भी इस स्तर पर सुर्खियां बटोर सकते हैं। यह सही है कि भारत ने 2020 के टोक्यो पैरालंपिक के 19 पदकों के मुकाबले सात स्वर्ण सहित 29 पदक जीतकर अपने प्रदर्शन को सुधारा है। वह अंक तालिका में भी 24वें से 18वें स्थान पर आकर पहली बार टॉप 20 देशों में शामिल हुआ है। पर भारतीय क्षमता का पूरा उपयोग अभी भी नहीं हो सका है। इन खेलों में भारत ने यदि एक स्वर्ण और दो रजत पदक और जीत लिए होते तो वह ईरान से ऊपर रहकर 14वें स्थान पर पहुंच सकता था। भारत को टॉप दस देशों में शामिल होने का प्रयास करना चाहिए। वह काम बहुत आसान तो नहीं पर असंभव भी नहीं है। भारत इस मुकाम तक ऐसे ही नहीं पहुंच गया है।

इसके लिए पैरालंपिक समिति ने भारत सरकार के साथ

मिलकर तमाम प्रयास किए और यह इन सभी का परिणाम है। इस समिति की पूर्व अध्यक्ष दीपा मलिक कहती हैं कि मैंने इन खेलों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया। इसके लिए इस खेल के आंकड़ों को इंटरनेट पर पड़वाया। प्रतिभाओं की तलाश के लिए देश में जूनियर और सब जूनियर चैंपियनशिपों का आयोजन कराया। हम सभी जानते हैं कि पैरा एथलीट किन परिस्थितियों से उभरकर सामने आते हैं, इसलिए सबसे जरूरी मनोदशा को तैयार करना होता है। आधुनिक खेलों में खिलाड़ी की प्रतिभा के साथ मनोवैज्ञानिक तैयारी का महत्त्व बहुत बढ़कर गया है। भारत को ओलंपिक खेलों में प्रदर्शन सुधारना हो मानसिक मजबूती पर खासतौर से काम करने की जरूरत है।

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील:
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्ध स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।
इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।
6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
7. उदयपुर:
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
10. श्रीनगर:
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

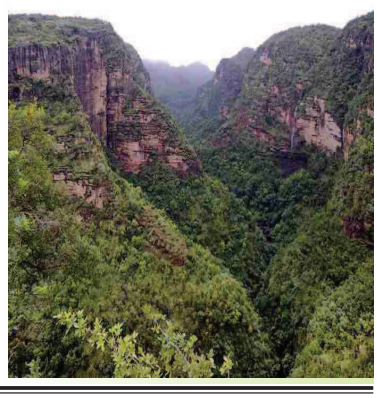

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. माता पार्वती है नंदा देवी: उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन: नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. सबसे ऊंची चोटी: नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. 12 वर्ष में एक बार यात्रा: नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. हिमालयी कुंभ: चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रा की शुरुआत: नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. यात्रा का प्रारंभ और अंत: नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा: इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में : इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू: इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

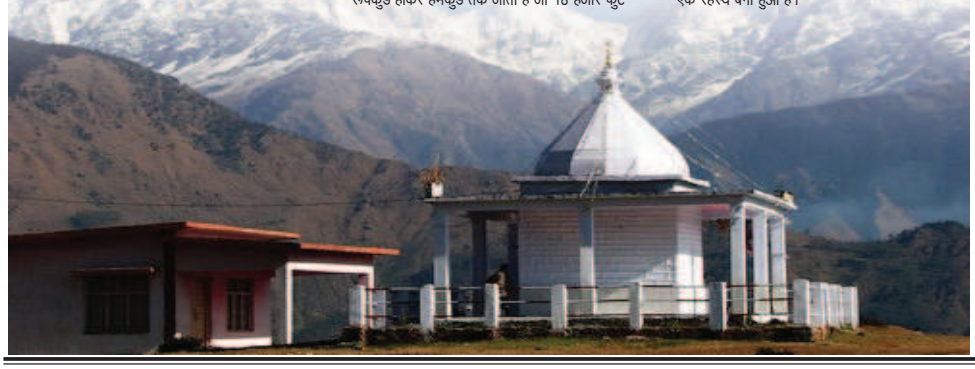

45 फ़ीसदी बढी क्रिप्टो करेंसी की धोखाधड़ी

भारत ने हुआ 370 करोड़ का नुकसान

नईदिल्ली । क्रिप्टोकरेंसी की धोखाधड़ी बढ़ती ही जा रही है। 2023 की तुलना में 2024 में 45 फ़ीसदी धोखाधड़ी की घटनाएं बढ़ गई हैं। भारत में क्रिप्टो धोखाधड़ी के 840 मामले दर्ज किए गए हैं। दुनिया के पांच देशों में हुई धोखाधड़ी में भारत का नाम भी शामिल है। भारतीय निवेशकों को क्रिप्टो की धोखाधड़ी से 370 करोड रुपए का नुकसान हुआ है। बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो करेंसी के बाद से क्रिप्टो करंसी का लेनदेन बड़ी तेजी के साथ भारत में बढा है। 2022 के बाद से क्रिप्टोकरंसी का कारोबार कम हो गया है।

अब अंबानी इनरवियर इंडस्ट्री में रखेंगे कदम, इजराइली कंपनी से की साझेदारी

नई दिल्ली। मशहूर कारोबारी मुकेश अंबानी खिलौने, कपड़े और चॉकलेट जैसे व्यापार के बाद अब इनरवियर इंडस्ट्री में कदम रखने वाले हैं। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इजराइल की इनरवियर निर्माण करने वाली कंपनी डेल्टा गैलिल के साथ साझेदारी की है। इस जॉइंट वेंचर से रिलायंस, जॉकी, स्पीडो और लेविस जैसे प्रमुख ब्रांडों को टक्कर देगी। रिलायंस और डेल्टा गैलिल का यह जॉइंट वेंचर मौजूदा रिलायंस ब्रांडों के लिए इनरवियर तैयार करेगा और साथ ही डेल्टा गैलिल के प्रमुख ब्रांड जैसे सेवन फॉर ऑल मनकिंड और नेसेसिटिज को भारतीय बाजार में पेश करेगा। डेल्टा गैलिल पहले से ही कई बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स जैसे कैल्विन क्लेन, टॉमी हिलफिगर, और कोलंबिया के लिए इनरवियर उत्पाद बनाती है और हाल ही में एडिडास और पोलो राल्फ लॉरिन के साथ भी साझेदारी की है। कुछ सालों में रिलायंस रिटेल ने केलोविया, जिवामा और अमानते जैसे ब्रांडों का अधिग्रहण किया है। ये ब्रांड्स 2023-2024 के वित्त वर्ष में 2000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बिक्री कर चुके हैं। वजीर एडवाइजर्स के मुताबिक भारत का इनरवियर बाजार 2025 तक 75,466 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें महिलाओं के इनरवियर का 60फीसदी और पुरुषों का 30फीसदी हिस्सा है। विशेषज्ञों के मुताबिक मध्यम और प्रीमियम इनरवियर सेगमेंट में वृद्धि हो रही है, खासकर महिलाओं के बीच। महिलाओं की बढ़ती आय और आरामदायक व स्टाइलिश इनरवियर की मांग इस बाजार को तेजी से आगे बढ़ा रही है। फैशन के प्रति रुचि बढ़ने से पुरुषों के इनरवियर सेगमेंट में भी विस्तार हो रहा है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर आइसक्रीम बिजनेस बेचेगी! कई कंपनियां खरीदने को तैयार

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने आइसक्रीम व्यापार के पुनर्गठन की संभावनाओं का आकलन करने स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति गठित की है। कंपनी इस आइसक्रीम व्यापार को बेचने पर विचार कर सकती है। कई कंपनियों ने इसे खरीदने में दिलचस्पी भी दिखाई है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के पोर्टफोलियो में क्वालिटी वॉल्स, कॉनेटो और मैग्नम जैसे ब्रांड्स शामिल हैं। आरजे कॉर्प पहले से ज़ीम बेल आइसक्रीम बेचती है, जो भारत के आइसक्रीम ब्रांडों में शुमार है। इसके पास 25 राज्यों में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और 11 हजार पुश कार्ट हैं। वहीं एमएमजी ग्रुप जो उत्तर और पूर्वी भारत में मैकडॉनल्ड्स चलाता है और कोका-कोला के लिए फ्रैंचाइजी बॉटलर है। इसका आइसक्रीम और फ्रोजन डेसर्ट में बैक-एंड तालमेल है। नेस्ले इंडिया ने पिछले दशक में ग्लोबल आइसक्रीम ब्रांड मोवेनपिक को बेचा था। कंपनी नेस्ले की भारतीय यूनिट भी इसे खरीदने में दिलचस्पी दिख रही है। हिंदुस्तान यूनिलीवर के आइसक्रीम व्यापार में प्रमुख ब्रांड्स जैसे क्वालिटी वॉल्स, कॉनेटो और मैग्नम शामिल हैं। कंपनी की सालाना 60 हजार करोड़ की बिक्री में आइसक्रीम बिजनेस की हिस्सेदारी करीब तीन फीसदी है। हिंदुस्तान यूनिलीवर की पैरेंट कंपनी दुनिया की सबसे बड़ी आइसक्रीम निर्माता है, जिसमें बेन एंड जेरी और मैग्नम जैसे ब्रांड्स शामिल हैं। भारतीय आइसक्रीम बाजार वित्त वर्ष 2025 तक पांच बिलियन को पार करने की उम्मीद है, जबकि 2023 में यह 3.4 बिलियन का था।

निर्देशों का पालन नहीं करने वाले दो निजी बैंकों पर लगा करोड़ों का जुर्माना

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऐलान किया है कि उसने दो निजी बैंकों, एक्सिस बैंक लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक लिमिटेड पर कई नियामक निर्देशों का पालन न करने पर जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने इसी साल तीन सितंबर को एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ और एचडीएफसी बैंक पर एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बैंकों द्वारा नियामक नियमों का पालन न करने की वजह से की गई है। ऐक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ का जुर्माना आरबीआई की जांच के बाद लगाया। यह जांच 31 मार्च 2023 तक की बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर की गई थी। इस दौरान बैंक द्वारा बैंकिंग नियमों के कई उल्लंघन पाए गए, जिसके चलते यह जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक बैंक ने ऐसे खाताधारकों के लिए बचत खाते खोले जो इसके योग्य नहीं थे। साथ ही बैंक ग्राहकों को यूनिक कस्टमर आईडी देने में भी नाकाम रहा। बैंक ने 1.60 लाख तक के कृषि ऋण के लिए गिरवी रखी संपत्ति को सुरक्षित नहीं किया। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि एक्सिस बैंक पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना 'जमा पर ब्याज दर' 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाॅयसी) और कृषि ऋण प्रवाह बिना गिरवी के कृषि ऋण जैसे नियमों का पालन नहीं करने की वजह से लगाया गया है।

इसी तरह एचडीएफसी बैंक पर भी आरबीआई ने एक करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बैंक द्वारा जमा पर ब्याज दर, रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति और बैंकों में ग्राहक सेवा से जुड़े आरबीआई के दिशा-निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। आरबीआई ने बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर 31 मार्च 2022 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आईएसई 2022 (निगरानी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण) किया।

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार.....2030 तक पैदा करेगा 5 करोड़ नौकरियां

नई दिल्ली ।

भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना बिक्री के आंकड़े को पार कर लेगा और 5 करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उम्मीद जाहिर की है कि भारत भविष्य में दुनिया का शीर्ष वाहन विनिर्माण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा, भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना तक पहुंचेगा है और इस ईवी बाजार से पांच करोड़ नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारतीय ईवी बाजार की क्षमता 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। अनुमान के मुताबिक, ईवी वित्तपोषण बाजार का आकार चार लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि लीथियम-आयन बैटरियों की लागत में और कमी आने की उम्मीद है, इससे किफायत में मदद मिलेगी और इस प्रकार बड़े पैमाने पर इसकी स्वीकार्यता में तेजी आएगी।

भारत से आईफोन निर्यात में 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई

नई दिल्ली । भारत से आईफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2025 के शुरुआती पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में 5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो पिछले साल सामाना अवधि में 3.2 अरब डॉलर था। इस वर्ष आईफोन निर्यात में 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इसकी जानकारी अमेरिकी मोबाइल कंपनी एप्पल के वेंडर द्वारा मोदी सरकार को दी गई है। एप्पल ने भारत में आईफोन 16 और आईफोन 16 मैक्स के निर्माण का निर्णय लिया है, जिससे देश से उसके निर्यात में और अधिक वृद्धि की संभावना है। एप्पल के आंकड़ों के अनुसार, इस साल के शुरुआती पांच महीनों का निर्यात वित्त वर्ष 2022 के कुल निर्यात के बराबर है, जो भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। दरअसल आईफोन का निर्माण फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और विस्ट्रन (अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स) जैसे तीन प्रमुख वेंडरों के द्वारा होता है। ये सभी कंपनियां उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आईफोन का उत्पादन करती हैं। इन तीनों वेंडरों ने संयुक्त रूप से वित्त वर्ष 2025 के लिए 8.9 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो पीएलआई योजना का चौथा वर्ष है। यह वृद्धि भारत में एप्पल के बढ़ते निवेश और उत्पादन क्षमताओं को दिखाती है, जो वैश्विक स्तर पर देश को स्मार्टफोन निर्माण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रही है।

नथिंग इंडिया ने त्योहारी सीजन से पहले किया अपने सर्विस सेंटर नेटवर्क का विस्तार

नई दिल्ली। लंदन का कंज्यूमर टेक ब्रांड नथिंग आज के समय में देश का सबसे तेजी से बढ़ता फोन ब्रांड है। नथिंग ने भारत में अपने तेजी से बढ़ती ग्राहकों की संख्या को देखत हुए अपने सर्विस सेंटर नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की है। 2024 की पहली छमाही में 567व की ग्रोथ के साथ नथिंग भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला स्मार्टफोन ब्रांड बन गया है। अपनी मजबूत उपस्थिति को देखते हुए नथिंग इंडिया अब पूरे देश में कस्टमर सपोर्ट की पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

अक्टूबर महीने में, नथिंग इंडिया हैदराबाद और चेन्नई में दो और एक्सक्लूसिव सर्विस सेंटर की शुरुआत करने जा रही है। इन दो नए सर्विस सेंटर के साथ देश भर में नथिंग के एक्सक्लूसिव सेंटर की संख्या तीन से बढ़कर पांच हो जाएगी। इसके अलावा, कंपनी के पास 5 मल्टी-ब्रांड सर्विस सेंटर पर प्रायोरिटी एक्सक्लूसिव सर्विस डेस्क भी होंगे। इसके साथ ही जल्द ही इनकी संख्या में और भी इजाफा किया जाएगा। कोलकाता और गुड़गांव में ये सेंटर पहले से ही चालू हैं, वहीं कोचीन, अहमदाबाद और लखनऊ में जल्द ही नए प्रायोरिटी डेस्क की शुरुआत होने वाली है। ये सेंटर ग्राहकों को सबसे बेहतरीन सर्विस प्रदान करते हैं और इनकी मदद से ग्राहकों को बिना झंझट के तेज़ और कुशल सर्विस की सुविधा प्राप्त होती है। नथिंग इंडिया पहले से ही देश भर में 18,000 पिन कोड पर पिकअप एवं ड्रॉप सेवाएं प्रदान करता है। इस सुविधा की मदद से अधिक संख्या में ग्राहकों को विश्वसनीय और सुविधाजनक सर्विस का लाभ मिलता है।

नथिंग इंडिया के मार्केटिंग हेड प्रणय राव ने कहा, "नथिंग इंडिया ग्राहकों को बेजोड़ कस्टमर सर्विस प्रदान करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। हमारे सर्विस सेंटर का विस्तार ग्राहक संतुष्टि को लेकर हमारी प्रतिबद्धता और भारतीय बाजार में हमारी जोरदार ग्रोथ का प्रमाण है। हम अपने सर्विस सेंटर के एक मजबूत नेटवर्क और विस्तृत पिकअप एवं ड्रॉप सेवा के साथ ग्राहकों को बेहतरीन सपोर्ट प्रदान करते हैं। हमारे इन प्रयासों से ग्राहकों को एक निर्बाध और कुशल सर्विस का लाभ मिलता है।"

नथिंग के प्रोडक्ट फ्लिपकार्ट, क्रोमा और विजय सेल्स पर पहले से ही उपलब्ध हैं। इसके साथ ही, नथिंग ने अपनी ऑफलाइन उपस्थिति को भी 2,000 लोकेशन से बढ़ाकर 5,000 लोकेशन कर दिया है। जल्द ही नथिंग के प्रोडक्ट पूरे भारत में 7000 दुकानों पर उपलब्ध होंगे।

नथिंग इंडिया के विस्तृत सर्विस नेटवर्क के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया कंपनी की वेबसाइट पर जाएं।

देश में चार्जिंग स्टेशन को बढ़ावा देने 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी का बयान

नई दिल्ली ।

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि मोदी सरकार ई-मोबिलिटी की निरंतर वृद्धि में सहयोग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने पर ध्यान देने के साथ एक मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सम्मेलन में कहा, 'हमारा मंत्रालय चार्जिंग आधारभूत ढांचे पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि बनी रहेगी। इतना ही नहीं हम इस आधारभूत ढांचे को नवीकरणीय ऊर्जा के संसाधनों से अनिवार्य रूप से एकीकृत करने के लिए सचेत हैं ताकि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से अधिकतम पर्यावरणीय फायदे हासिल हो सके। उन्होंने उद्योग से आग्रह किया कि विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के साथ भारत के चिरस्थायी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध प्रयास और सहयोग करें'। मोदी सरकार बहुप्रतीक्षित फेम-तीन योजना के तहत चार्जिंग आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दे रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारी उद्योग मंत्रालय देशभर में चार्जिंग स्टेशन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। फेम के शुरुआती चरणों में चार्जिंग आधारभूत ढांचे पर

प्रमुख रूप से ध्यान दिया गया। मोदी सरकार ने फेम-1 में 520 चार्जिंग स्टेशन को मंजूरी दी थी। भारी उद्योग मंत्रालय के 2021 के बयान के अनुसार इसमें 452 स्थापित हुए थे। मंत्रालय ने 3 तेल विपणन कंपनियों को 7,432 इलेक्ट्रिक व्हीकल पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित के लिए 800 करोड़ रुपये दिए थे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट आई है। दिसंबर 2021 के बाद पहली बार ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव आया है। असम, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल सस्ता हुआ है, जबकि एमपी, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में कीमतें बढ़ी हैं। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। चारों महानगरों की बात करें तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स हब बनेगा तमिलनाडु..... जेबिल इंक करेगी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश

5,000 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा

चेन्नई ।

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय अनुबंध पर विनिर्माण करने वाली कंपनी जेबिल इंक, जो कि अमेरिकी मोबाइल विनिर्माता की सप्लायर है, उस कंपनी ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है। प्लांट में कंपनी 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और 5,000 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। इस नए निवेश के बाद फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बाद तमिलनाडु में एप्पल का यह चौथा प्रमुख आपूर्तिकर्ता होगा। अमेरिकी कंपनी जेबिल इंक, जो पहले से ही सिस्को और एचपी जैसी कंपनियों की आपूर्तिकर्ता है, ने हाल ही में भारत में एप्पल के लिए एयरपोड के पुर्जों का उत्पादन शुरू किया था। जेबिल की प्रमुख उत्पादन इकाइयां भारत से चीन और वियतनाम को निर्यात करती हैं। कंपनी का पुणे में स्थित संयंत्र 8.58 लाख वर्गफुट में फैला हुआ है, जहां करीब 2,500 कर्मचारी काम करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की हाल ही में हुई अमेरिकी यात्रा के दौरान निवेश सौदे को अंतिम रूप दिया गया। इस बारे में सीएम स्टालिन ने जानकारी देकर एक्स पर लिखा कि जेबिल द्वारा तिरुचिरापल्ली में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश से 5,000 नौकरियों का सृजन होगा और एक नया इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर तैयार होगा। इसके साथ रॉकवेल ऑटोमेशन भी कांचीपुरम में 666 करोड़ के निवेश के साथ अपने संयंत्र का विस्तार करेगी, जिससे 365 नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। तमिलनाडु सरकार युवाओं को कौशल विकास के लिए और एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ऑटोडेस्क के साथ भी एक समझौते पर हस्ताक्षर कर चुकी है। बात दें कि तमिलनाडु हाल के दिनों में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में तेजी से उभरा है, खासकर आईफोन के निर्यात में वृद्धि के कारण इस दक्षिण के राज्य में निर्यात तेजी से बढ़ा है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के आईपीओ का बाजार ने किया धमाकेदार स्वागत

मुंबई ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के 6,560 करोड़ के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को दूसरे दिन भी निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। दूसरे दिन आईपीओ को 7.50 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ। निवेशकों की इस सक्रिय भागीदारी ने बाजार में मजबूत उत्साह पैदा किया है, इससे यह आईपीओ बेहद आकर्षक साबित हो रहा है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ को सब्सक्राइब करने का आखिरी दिन है। पिछले दो दिनों में आईपीओ में बंपर सब्सक्रिप्शन मिला है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ को दूसरे दिन जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जहां कुल सब्सक्रिप्शन 7.51 गुना दर्ज हुआ। नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से को 16.45 गुना सब्सक्राइब किया गया, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबीएस) के हिस्से को 7.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआईएस) के लिए आरक्षित कोटा 3.83 गुना भरा गया, जो निवेशकों की मजबूत रुचि को दर्शाता है। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से शानदार रुझान मिल रहा है, जिसमें दूसरे दिन 7.51 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज हुआ है। आईपीओ की शुरुआती शेयर बिक्री 11 सितंबर बुधवार को समाप्त होगी।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ के लिए प्रति शेयर मूल्य बैंड 66-70 तय किया है। इस आईपीओ में 3,560 करोड़ तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही इसके मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ के इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर-फॉर-सेल) होगी। यह शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उन नियमों का पालन करने के लिए हो रही है, जिसके तहत शीर्ष स्तरीय गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसीएस) को सितंबर 2025 तक स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होना जरूरी है।

ग्रे मार्केट में, बजाज हाउसिंग फाइनेंस के शेयर अपने इश्यू प्राइस 70 (ऊपरी प्राइस बैंड) के मुकाबले 94.29 प्रतिशत प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। इसका मतलब है कि ग्रे मार्केट में शेयर की कीमत काफी बढ़ी हुई है, जो निवेशकों के बीच इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है।

यूएलआई बनेगा नया उपक्रम, इस इकाई में बैंक हिस्सेधारक के रूप में जुड़ेंगे

नई दिल्ली।

यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) को अलग कर एक नए उपक्रम में इसे तबदील किया जा सकता है। बैंक इस उपक्रम में अपनी हिस्सेदारी रखेंगे। यूएलआई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इनोवेशन हब (आरबीआईएच) का हिस्सा है लेकिन अब इसे अलग किया जा सकता है। इस मामले के जानकार ने बताया यूएलआई को व्यावसायिक रूप देने एक नई इकाई खड़ी करनी होगी। मौजूदा स्वरूप यानी आरबीआईएच के अंदर यह कार्य नहीं किया जा सकता। आरबीआई एवं इसकी सहायक इकाइयों को व्यावसायिक परिचालन की इजाजत नहीं है। आरबीआईएच केंद्रीय बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है। यूएलआई जिस रूप में है उसमें इसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। एनपीसीआई की स्थापना भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के अंतर्गत हुई है। सूत्रों ने बताया कि यूएलआई के लिए अलग से एक इकाई तैयार करने की संभावनाओं पर चर्चा जारी है। इस इकाई में बैंक हिस्सेधारक के रूप में जुड़ेंगे। यह ठीक एनपीसीआई की तर्ज पर होगा जिसमें सार्वजनिक बैंक, विदेशी बैंक, सहकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की हिस्सेदारी है। पिछले महीने आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि पीटीपीएफसी को यूएलआई के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने ऋण आवंटन पर इसके संभावित प्रभाव की तुलना देश में भुगतान खंड में यूपीआई से आए बदलाव से की थी। यूएलआई का मकसद कर्जदाताओं तक डिजिटल जानकारियां पहुंचाना है। यह बिना किसी रुकावट के कम समय में ऋण आवंटन तय कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों, अकाउंट एग्रीगेटर, बैंक, क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी, डिजिटल पहचान प्राधिकरणों सहित अन्य स्रोतों से जानकारियां जुटाएगा। सूत्रों ने संकेत दिए कि आरबीआई यूएलआई में हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रहा है ताकि इसमें पुरानी और नई वित्त-तकनीक एनबीएफसी भी शामिल हो सकें। पीटीपीएफसी में आधार ई-केवाईसी, भागीदार राज्य सरकारों की जमीन का लेखा-जोखा, उपग्रह से जुड़ी जानकारी, स्थायी खाता संख्या (पैन) सत्यापन, ट्रांसलिटरेशन, आधार ई-हस्ताक्षर, अकाउंट एग्रीगेटर सहित दुग्ध सहकारी संस्थाओं और जायदाद की खोज से जुड़ी कई जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं।

कच्चे तेल में गिरावट से पेंट, एविएशन, टायर के शेयरों में आएगा उछाल

नई दिल्ली।

कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2021 के बाद यह पहला मौका है जब ब्रेंट फ्यूचर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चला गया है। ऐसे में उन शेयरों में तेजी देखने को मिल सकती है, जिनका कनेक्शन कच्चे तेल के इस्तेमाल और आपूर्ति से है। क्रूड की कीमतों में गिरावट के चलते पेंट, एविएशन, केमिकल, टायर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। चूंकि, भारत पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति के लिए क्रूड आयात करता है। ऐसे में भाव कम होने से महंगाई में भी राहत देखने को मिल सकती है।

क्रूड की कीमतों के तीन साल के निचले स्तर पर पहुंच जाने से पेंट, एविएशन, टायर और केमिकल शेयरों में अच्छी तेजी आने की संभावना है। दरअसल कच्चे तेल का इस्तेमाल पेंट, टायर और केमिकल मटेरियल बनाने में किया जाता है।

ऐसे में सस्ता क्रूड मिलने से इन कंपनियों की इनपुट कॉस्ट कम होगी और मुनाफा भी बढ़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में पेंट्स शेयरों ने ज्यादा अच्छा रिटर्न नहीं दिया है।

मार्केट लीडर एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स स्थिर रहे हैं, वहीं कंसाई नेरोलैक के शेयर मूल्य में नौ फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर बालकृष्ण इंडस्ट्रीज, सिएट, अपोलो टायर्स और जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज जैसे टायर शेयरों ने 22फीसदी से 62फीसदी के बीच रिटर्न दिया है।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी: राजकुमार की हैट्रिक, भारत लगातार तीसरी जीत के साथ सेमीफाइनल में

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। युवा स्ट्राइकर राजकुमार पाल की हैट्रिक के दम पर गत विजेता भारत ने मलेशिया को 8-1 से हराकर लगातार तीसरी जीत के साथ बुधवार को यहां हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

राजकुमार (तीसरा, 25वां और 33वां मिनट) के अलावा अराइजीत सिंह हुंडल (छठा और 39वां मिनट), जुगराज सिंह (सातवां मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (22वां मिनट) और उत्तम सिंह (40वां मिनट) ने गोल दागे। मलेशिया के लिए अखिमुल्लाह अनवर (34वां मिनट) ने एकमात्र गोल किया। भारत तीन मैच जीतकर नौ अंक के साथ शीर्ष पर है।

छह टीमों का टूर्नामेंट राउंड रॉबिन आधार पर खेला जा रहा है जिसमें शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा। भारत ने इससे पहले मेजबान चीन को 3-0 से और जापान को 5-1 से हराया था।

पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम का सामना बृहस्पतिवार को कोरिया से और शनिवार को पाकिस्तान से होगा। भारत और मलेशिया के बीच 2023 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम हाफटाइम तक 1-3 से पीछे थी जिसके बाद वापसी करके 4-3 से जीत दर्ज करके खिताब जीता। भारतीय स्ट्राइकरों ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पांच फील्ड गोल किये जबकि जुगराज, हरमनप्रीत और उत्तम ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किए। भारत ने आक्रामक शुरूआत करके पहले ही क्वार्टर में लगातार हमले बोले। राजकुमार ने तीसरे ही मिनट में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अकेले दम पर गेंद को गोल के भीतर डाला। तीन मिनट बाद अराइजीत ने भारत की बढ़त दुगुनी कर दी। एक मिनट बाद जुगराज ने पेनल्टी कॉर्नर भुनाकर भारत को पहले ही क्वार्टर में 3-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में मलेशिया ने आक्रामक शुरूआत की और पेनल्टी कॉर्नर भी बनाया लेकिन गोल नहीं दे सका। भारत को 22वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से एक पर हरमनप्रीत ने गोल किया। कुछ मिनट बाद राजकुमार ने अराइजीत और उत्तम के शानदार मूव पर अपना दूसरा गोल किया। दूसरे हाफ के तीसरे ही मिनट में राजकुमार ने सीनियर स्तर पर अपनी पहली हैट्रिक पूरी करते हुए विवेक सागर प्रसाद के पास पर तीसरा गोल किया। मलेशिया के लिये इस बीच अनवर ने एक गोल दागा। भारत के लिए अराइजीत ने नीलाकांता के पास पर गोल किया जबकि उत्तम ने पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड के जरिए गोल दागा। इससे पहले एक अन्य मैच में पाकिस्तान ने जापान को 2-1 से हराया।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड टेस्ट: बारिश के कारण तीसरा दिन का खेल रद्द

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट का तीसरा दिन बुधवार को भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। खेल के पहले दो दिन गीले आउटफील्ड के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिए गए जिससे आयोजन स्थल की तैयारियों पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

मौसम को देखते हुए मैच अधिकारियों ने बुधवार को खेल की किसी भी संभावना से इनकार करने में देर नहीं लगाई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'लगातार बारिश के कारण अफगानिस्तान बनाम न्यूजीलैंड का तीसरा दिन रद्द कर दिया गया है। अगर आसमान साफ रहा तो कल से मैच 98 ओवरों के साथ शुरू होगा।' अफगानिस्तान जिसे अक्सर शीर्ष टीमों के साथ खेलने का मौका नहीं मिलता, इस खेल का मेजबान है।

गौर हो कि बीसीसीआई ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कानपुर, बेंगलुरू और ग्रेटर नोएडा के विकल्प दिए थे। एसीबी ने लॉजिस्टिक कारणों से ग्रेटर नोएडा को चुना। एसीबी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैनेजर मिन्हाज राज ने कहा था, 'यह हमेशा से अफगानिस्तान का घरेलू मैदान रहा है। हम 2016 से यहां खेल रहे हैं। बारिश के कारण यह सब हुआ। हमने यहां स्थानीय टीम के खिलाफ तीन दिवसीय मैच भी खेला है जिसमें कोई मसला नहीं आया था।' अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यहां 11 सीमित ओवरों के मैचों की मेजबानी कर चुका है। इसके अलावा उन्होंने देहरादून में भी मैच खेले हैं।

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की संभावनाएं प्रबल, सहायक कोच ने की भविष्यवाणी

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सहायक कोच क्रेग मैकमिलन का मानना है कि अगले महीने यूएई में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में उनकी टीम की संभावनायें प्रबल हैं। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी।

टीम में युवा जोश और अनुभव का संगम है। बेट्स और डिवाइन न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, यह कीवी टीम की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह जोड़ी टूर्नामेंट की शुरुआत से ही टूर्नामेंट के इर संस्करण में शामिल रही है। यह जोड़ी दो बार न्यूजीलैंड (2009,2010) के साथ प्रतियोगिता में उपविजेता रही और अन्य दो मौकों (2012,2016) में सेमीफाइनल तक पहुंची और मैकमिलन उन्हें प्रतिष्ठित ट्रॉफी उठाते हुए देखने के अलावा और कुछ नहीं चाहेंगे।

मैकमिलन ने कहा, 'जब वे (डिवाइन और बेट्स) टिटयर हो जाएंगे, तो वे न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन जाएंगे। दोनों के लिये यह विश्वकप की ट्रॉफी उठाने का सुनहरा अवसर है।' मैकमिलन ने कहा, 'मुझे हमारे पास मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने वाले युवाओं के साथ संतुलन पसंद है, लेकिन हमें जो चाहिए वह है कि हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार अपना काम करे और अगर ऐसा होता है, तो आप कभी नहीं जान सकते कि विश्व कप के समय क्या हो सकता है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने सीखा है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के साथ लगातार प्रतिस्पर्धा करने के लिए काम करना होगा और हमने हाल ही में इंग्लैंड के साथ खेला है, जो निश्चित रूप से उन टीमों में से एक है जो शीर्ष तीन (पसंदीदा) में हैं।'

क्रिकेट में हाथ आजमाने के बाद, विराट और धोनी के बराबर आए सैमसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन मैदान से बाहर भी अपने पांव पसार रहे हैं। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज अब केरल के फुटबॉल क्लब मलप्पुरम एफसी के को-ऑनर बन गए हैं। इस तरह वह विराट कोहली और एमएस धोनी की सूची में शामिल होकर उनके बराबर आ गए हैं। क्लब और संजू सैमसन ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी साझा की है।

केरल फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सुपर लीग केरल का उद्घाटन सत्र सात सितंबर को हुआ था, जिसमें संजू की टीम मलप्पुरम एफसी ने शुरुआती मैच में फोरा कोच्चि को 2-0 से हराया। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें भाग ले रही हैं जिनमें मलप्पुरम एफसी, फोर्का कोच्चि, कन्नूर वारियर्स, कालीकट एफसी, तिरुवनंतपुरम कोम्बन्स और त्रिशूर मैजिक शामिल हैं। लीग सात सितंबर से दस नवंबर तक चलेगी और मैच केरल के चार अलग अलग जगहों पर खेले जाएंगे। विराट कोहली और एमएस धोनी के बाद फुटबॉल क्लब में हिस्सेदारी खरीदने वाले संजू सबसे कम उम्र के भारतीय क्रिकेटर हैं। कोहली इंडियन सुपर लीग क्लब एफसी गोवा के को-ऑनर हैं। वहीं धोनी चेन्नईयिन एफसी के सह-मालिक हैं। सैमसन के साथ बिस्मी ग्रुप के एमडी वी.ए. अजमल बिस्मी, डॉ. अनवर अमीन चेलट और बेबी नीलाम्बरा मलप्पुरम एफसी के सह-मालिक हैं। सैमसन मौजूदा समय में दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। बता दें सैमसन को आखिरी बार भारत के श्रीलंका दौरे पर देखा गया था, जहां उन्होंने तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। वहां उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह लगातार दो बार जीरो पर आउट हो गए थे। अब देखना ये होगा कि बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए संजू सैमसन को चुना जाता है या नहीं। फिलहाल संजू फुटबॉल लीग में बिजी हैं।

दादा ने क्यों कहा आकाश दीप पर रहेगी सभी की निगाहें

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू होने वाले दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा की, टीम में तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल को शामिल किया गया। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आकाश दीप को उन खिलाड़ियों में से एक के रूप में नामित किया है, जिस पर बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू होने वाली भारत की दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए हर किसी को नजर होनी चाहिए। बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज 19 सितंबर से शुरू होगी। पहला टेस्ट चेन्नई में और दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में होगा। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह मोहम्मद सिराज के साथ लाइन-अप का नेतृत्व करने वाले है। दयाल को भारत से पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि आकाश इंग्लैंड के खिलाफ अपने एकमात्र टेस्ट में शामिल होना चाहते है। आकाश ने भारत बी के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुए दलीप ट्रॉफी मैच में भारत ए के लिए दोनों पारियों में 9 विकेट भी लिए। बहरहाल, गांगुली ने उन्हें एक उत्कृष्ट गेंदबाज कहा जो लंबे समय तक गेंदबाजी कर सकता है। दादा ने कहा कि आकाश दीप एक उत्कृष्ट युवा तेज गेंदबाज है। वह दौड़ता है, तेज गेंदबाजी करता है और लंबे समय तक गेंदबाजी करेगा। मैंने आकाश को लंबे समय तक बंगाल के लिए खेलते हुए, विकेट लेते हुए देखा है। वह ऐसा ही रहेगा। सिराज और शमी की तरह तेज, उच्च 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदें फेंकने वाले खिलाड़ी है जिस पर नजर रखनी होगी।

भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

भारत के साथ सीरीज से ठीक पहले काउंटी क्रिकेट में चमके शाकिब, 4 विकेट लेकर सर्रे को जीत दिलायी

लंदन (ईएनएस)। भारत के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज से ठीक पहले बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने शानदार गेंदबाजी कर दिखाया है कि आगामी सीरीज में उनकी गेंदों को खेलना मेजबानों के लिए आसान नहीं रहेगा। बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान में खेली गई टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिखाया है कि अब वह पहले से ही बेहतर हो गयी है और विदेशी धरती पर भी जीत सकती है। इससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। 19 सितंबर से दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरु होगी। इससे पहले जहां भारतीय टीम के खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी में खेल रहे हैं। वहीं शाकिब काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। शाकिब काउंटी में सर्रे की ओर से सोमरसेट के खिलाफ मुकाबले में उतरे। उन्होंने इस दौरान अपनी टीम की ओर से पहली पारी में सबसे ज्यादा विकेट लिए। 33.5 ओवर में शाकिब ने 97 रन देकर 4 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। इस प्रकार सर्रे की टीम ने शाकिब की अहम भूमिका रही। इससे पहले पाक में भी शाकिब ने शानदार गेंदबाजी की थी।

भारतीय टीम के लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं मुशीर : दाहिया

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले मैच में शानदार शतक लगाने वाले मुशीर खान ने बेंगलुरु में भारत-ए बनाम भारत-बी दलीप ट्रॉफी मैच में दबाव में अपने स्वभाव से मुख्य वचनकर्ता अजीत अगरकर का ध्यान आकर्षित किया है। वहीं पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया ने कहा कि मुशीर को जो चीज अलग बनाती है, वह है उनकी मानसिकता, जो बहुत मजबूत है। मैं भविष्यवाणी नहीं कर सकता, लेकिन अगर वह लगातार रन बनाते रहे, तो वह भारतीय टीम के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकते हैं। दहिया ने कहा कि मुशीर बल्लेबाजी की सबसे खास बात उनकी निरंतरता है। उन्होंने पिछले सीजन में जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की। उन्होंने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल में रन बनाए और फिर 2024 में घरेलू क्रिकेट के पहले दिन शतक ठोका। दलीप ट्रॉफी में अपने पदार्पण मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए दाएं हाथ के बल्लेबाज मुशीर ने दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद अपना धैर्य नहीं खोया और 181 रन बनाए जो उनका तीसरा प्रथम श्रेणी शतक था। उनकी मैराथन पारी ने भारत-बी को 94/7 के मुश्किल स्कोर से उबारा और 321 रन बनाने में सक्षम बनाया। जो निर्णायक कारक साबित हुआ और उन्होंने मैच 76 रनों से जीत लिया। रिपोर्ट के मुताबिक 19 साल के मुशीर खान ए शैडो टूर के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें तीन चार दिवसीय टेस्ट मैच होंगे। फिटनेस संबंधी किसी भी चिंता को छोड़कर मुशीर और राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार चयन के लिए मजबूत दावेदार हैं। सुथार ने सौरभ कुमार को पीछे छोड़ दिया है और वे रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ बाएं हाथ के स्पिनर बन गए हैं।

मुंबई इंडियंस के साथ उनका सफर खत्म हो गया है, रोहित शर्मा पर बोला मशहूर कमेंटेटर

मुंबई। (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी करीब आने पर मुंबई इंडियंस के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पिछले सीजन की शुरुआत से पहले उन्हें फ्रैंचाइजी के कप्तान के पद से हटा दिया गया था और हार्दिक पांड्या को यह भूमिका दी गई थी। इससे रोहित और मुंबई इंडियंस के बीच कथित तौर पर संबंधों पर असर पड़ा है और सलामी बल्लेबाज अब एक नई फ्रैंचाइजी की तलाश में हैं। जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से रोहित के आईपीएल भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हिटमैन को ट्रेड विंडो में एक नई फ्रैंचाइजी में स्थानांतरित किया जा सकता है।

आकाश चोपड़ा ने यूट्यूब चैनल पर एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'क्या वह रहेंगे या जाएंगे? यह एक बड़ा सवाल है। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि वह नहीं रहेंगे। जो भी रिटेन किया जाएगा, वह इस सोच के साथ होगा कि वह तीन साल तक आपके साथ रहेगा, जब तक कि आपका नाम एमएस धोनी न हो। एमएस धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स की कहानी बहुत अलग है, लेकिन जहां तक मुंबई इंडियंस में रोहित शर्मा की बात है तो मुझे लगता है कि वह खुद जा सकते हैं या मुंबई इंडियंस उन्हें छोड़ सकती है।'

पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'कुछ भी हो सकता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि रोहित को यहां रिटेन किया जाएगा। मेरे पास कोई जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि रोहित को शायद रिलीज कर दिया जाएगा। वह ट्रेड विंडो में किसी और के पास जा सकते हैं, ऐसी संभावना है कि वह नीलामी में न जाएं, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन्हें नीलामी में देखा जा सकता है। मुझे लगता है कि मुंबई इंडियंस के साथ उनका सफर खत्म हो गया है।'

चोपड़ा से सूर्यकुमार यादव के भविष्य के बारे में भी पूछा गया, अफवाहों के अनुसार वह भी फ्रैंचाइजी से दूर जा सकते हैं। लेकिन चोपड़ा को नहीं लगता कि सूर्या खुद अपने करियर के इस मोड़ पर रूह को छोड़ना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 'आप क्या पूछ रहे हैं? मुझे नहीं लगता कि सूर्यकुमार यादव को ट्रेड किया जाएगा। मैंने ऐसा कुछ नहीं सुना है। मुंबई इंडियंस सूर्यकुमार यादव को नहीं छोड़ेगी और मुझे लगता है कि सूर्या भी नहीं छोड़ेंगे। सूर्या वहीं रहेंगे। वह कहीं नहीं जा रहे हैं। नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। सूर्या टीम के साथ बने रहेंगे। मुझे नहीं पता कि आपने यह कहां पढ़ा है।'

महिला टी20 विश्व कप के लिए टिकटों का अनावरण, सबसे सस्ता टिकट 114 रुपए का, इस आयु तक फ्री एंट्री

दुबई। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में अब केवल 20 दिन शेष बचे हैं और ऐसे में आईसीसी ने टिकटों का अनावरण किया है। सबसे सस्ती टिकट केवल पांच दिरहम यानि 114 रुपए से शुरू होगी जबकि 18 वर्ष तक के प्रशंसकों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रहेगा। इस पहल का उद्देश्य यूएई में टूर्नामेंट के लिए उपस्थिति को बढ़ाना और एक स्थायी विरासत बनाना है जिसका अनावरण प्रतिष्ठित बुर्ज खलीफा पर एक शानदार लेजर शो के साथ किया गया। बुधवार को एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'यूएई के बारे में रोमांचक चीजों में से एक इसकी विविधता है। यह एक ऐसी जगह है जहां पूरी दुनिया का प्रतिनिधित्व होता है। इसका मतलब है कि यह वास्तव में सभी 10 टीमों के लिए एक घरेलू विश्व कप है और खिलाड़ी उत्साही प्रशंसकों के समर्थन का आनंद ले सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए मुझे आज यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि टिकट केवल 5 दिरहम से उपलब्ध होंगे, और 18 साल तक के लिए टिकट नि:शुल्क होंगे।' महिला टी20 विश्व कप 3 अक्टूबर को शुरू हो रहा है जो 18 दिनों तक चलेगा और इस दौरान 23 मैचों में 10 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं और ग्रुप बी में बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड शामिल हैं। प्रारूप एक राउंड-रॉबिन संरचना का पालन करेगा जहां प्रत्येक टीम अपने समूह की अन्य चार टीमों से खेलती है जिसमें शीर्ष दो नॉकआउट चरणों में आगे बढ़ती हैं। सेमीफाइनल 17 अक्टूबर को दुबई और 18 अक्टूबर को शारजाह में होंगे, जबकि फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में होगा। टूर्नामेंट से पहले टीमें 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक अभ्यास मैचों में हिस्सा लेंगी।

पेरिस ओलंपिक में कोकीन खरीदने की कोशिश करने वाला ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी निलंबित

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के हॉकी खिलाड़ी टॉम क्रेग को पेरिस ओलंपिक के दौरान कोकीन खरीदने की कोशिश के आरोप में हॉकी आस्ट्रेलिया ने बारह महीने के लिये निलंबित कर दिया है। क्रेग को सात अप्रसत की रात पेरिस में कोकीन खरीदने की कोशिश में गिरफ्तार किया गया लेकिन बाद में छोड़ दिया गया था। फ्रांस के अभियोजकों ने बयान जारी करके पुष्टि की थी कि 29 वर्ष के ओलंपियन और तीवयो ओलंपिक के रजत पदक विजेता आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को आपराधिक चेतावनी देकर एक रात हिरासत में रखने के बाद छोड़ दिया गया। हॉकी आस्ट्रेलिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा, 'राष्ट्रीय पुरूष हॉकी टीम के खिलाड़ी टॉम क्रेग की पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान गिरफ्तारी के मामले की जांच के बाद हॉकी आस्ट्रेलिया की नैतिकता ईकाई ने 12 महीने के लिये उन्हें निलंबित करने का फैसला लिया है।' इसमें कहा गया, 'छह महीने पूर्ण निलंबन होगा और बाकी छह महीने उनके बर्ताव पर निर्भर करेंगे।' हॉकी ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि क्रेग 2025 के लिये टीम में चयन के पात्र होंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम पेरिस ओलंपिक में छठे स्थान पर रही थी।

यूएस ओपन से बाहर हुए... अल्काराज डेविस कप के लिए तैयार

मैड्रिड। कार्लोस अल्काराज का कहना है कि वे फिट हैं और सप्ताह के अंत में डेविस कप टेनिस के ग्रुप चरण में स्पेन का नेतृत्व करने को तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन का सामना कठिन ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, चेक गणराज्य और फ्रांस से होगा, इनके मैच वालेंसिया में खेले जाएंगे। प्रेसवार्ता में अल्काराज से यूएस ओपन में दूसरे दौर में निराशाजनक हार के बाद उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया, इससे पहले फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उनकी जीत हुई और अगस्त में ओलंपिक रजत पदक मिला। अल्काराज ने स्वीकार किया कि, न्यूयॉर्क में, वह उस स्तर पर खेलने में कामयाब नहीं हुए जो उन्हें पसंद था, लेकिन उन्होंने कहा, उस स्तर पर प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल है जो आप हर दिन चाहते हैं, और आपको करना होगा चीजें जैसी भी आएं उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार रहें। अल्काराज ने कहा कि कुछ दिनों के आराम और प्रशिक्षण के कारण बहुत तीव्र गर्मी के बाद उनमें तैयारी की कमी थी, जबकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अब वह घर पर डेविस कप खेलने के लिए अच्छा और प्रेरित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मानसिक रूप से मैं सुधार जारी करने के लिए बहुत उत्सुक और प्रेरित हूं, और शारीरिक रूप से मैंने डेविस कप और जो आने वाला है उसका सामना करने के लिए इष्टतम स्तर पर रहने के लिए न्यूयॉर्क में हारने के बाद से अच्छा काम किया है। अल्काराज ने खुलासा किया कि बीटिक वैन डे जैंडस्चुल्प से हार के बाद, वह अन्य रुचियों के साथ समय बिता रहे थे। उन्होंने कहा, मेरे पास अपने दिमाग को शांत करने के लिए कुछ दिन थे। लेकिन हमने सोचा कि सबसे अच्छी बात प्रशिक्षण पर वापस जाना और शारीरिक रूप से फिट होना है।

उनके नाम 5 शतक हैं, धोनी ने 90 टेस्ट में 4 शतक लगाए थे : पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया को चेताया

मुम्बई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क = ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने ऋषभ पंत को विजेता करार दिया है और उनका मानना ??है कि भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ने इतने कम समय में अपने देश के लिए जो किया है, वह उनकी महानता का प्रमाण है। 26 वर्षीय पंत ने इस साल की शुरुआत में चोट से वापसी करते हुए भारत के लिए तीनों प्रारूपों में अपनी जगह पक्की कर ली है। जैसे-जैसे टीम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के लिए तैयार हो रही है, पंत पिछली बार की तरह ही भारत के लिए टेस्ट सीरीज जीत की हैट्रिक हासिल करने की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

पोंटिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि पंत किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह ही गंभीर खिलाड़ी हैं। पोंटिंग ने कहा, %हम सभी ने उसे खेलते हुए देखा है और स्टंप माइक में उसकी आवाज सुनी है, वह समूह के आसपास रहने वाला एक आकर्षक व्यक्ति है। वह अपने क्रिकेट से प्यार करता है, वह विजेता है, यही वह है। वह सिर्फ कुछ रन बनाने और मौज-मस्ती के लिए नहीं खेलता। उसके पास पहले से ही 4 या 5 टेस्ट शतक हैं और उसके पास लगभग नौ 90 रन भी हैं। धोनी ने 120 टेस्ट (90) खेले और 3 या 4 शतक (6) बनाए, यह लड़का (पंत) कितना अच्छा है। वह एक गंभीर क्रिकेटर है।%

पंत पिछली बार भारत की 2-1 की शानदार सीरीज जीत के कई नायकों में से एक थे। सिडनी में उनकी 97 रनों की तूफानी पारी ने भारत को सनसनीखेज ड्रॉ दिलाने में मदद की, इससे पहले ब्रिसबेन में नाबाद 89 रनों की पारी ने गाबा के किले को तोड़ दिया था। इससे पहले 2018/19 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान सिडनी में पंत की 118 रन की पारी भविष्य की ओर इशारा करती थी। 33 टेस्ट मैचों में पंत ने 43.67 की औसत से 2271 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक शामिल हैं। बड़ी बात यह है कि इनमें से चार SENA नेशंस में आए हैं।

पंत की चोट से वापसी पर बोले पोंटिंग

पंत का रवैया कभी हार न मानने वाला है जो पोंटिंग को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कोच पोंटिंग, पंत के ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान लगातार उनके संपर्क में थे और यह देखकर हैरान रह गए कि ऋषभ अपनी शानदार वापसी को लेकर कितने आश्वस्त थे। उन्होंने कहा, 'यह एक उल्लेखनीय वापसी है। यदि आप अब उसके पैर को भी देख सकते हैं और वह जो कहानियां सुनाता है, जो उसने अपनी कार दुर्घटना के दौरान सामना कीं, उससे होने वाले मानसिक आघात के बारे में सुनते हैं, लेकिन शारीरिक पक्ष और वह जिस पुनर्वास से गुजरा, मुझे नहीं लगता था कि वह पिछले साल के आईपीएल (2024) में खेलेगा।'

पोंटिंग ने कहा, 'लेकिन 12 महीने पहले, उसने कहा था 'मेरे बारे में चिंता मत करो, मैं आपको गारंटी देता हूं कि मैं आईपीएल के लिए ठीक हो जाऊंगा'। हमें लगा कि वह बल्लेबाजी करने में सक्षम होगा और हमें उसे एक उप खिलाड़ी (इम्पैक्ट प्लेयर) के रूप में उपयोग करना पड़ सकता है, लेकिन उसने हर खेल में विकेटकीपिंग की, हमारे प्रमुख रन-स्कोरर में से एक था, टी20 विश्व कप में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करता है और एक विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा है और अब उसका नाम टेस्ट टीम में है।'

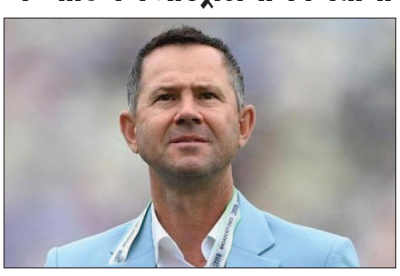

गणपति के जयकारों से गूंज उठा भरत नगर

उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख राजाराम मिश्रा ने की बप्पा की आरती

सुरत भुमि, सूरत। शिव उत्सव समिती मित्र मंडल द्वारा आयोजित गणेश उत्सव उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख राजाराम मिश्रा आज आरती में शामिल हुए। साथ मे रमेश तिवारी , अनुराग मिश्रा , अजीत तिवारी , राजेन्द्र उपाध्याय , काशी तिवारी , मनोज शुक्ला , गुलजारी उपाध्याय, मनीष नायकजी, बिजय प्रकाश पाडेंय, उमेश तिवारी , ओमकार मिश्रा , संजय मिश्रा , मुंना मिश्रा ,सुनिल शुक्ला , सुनील पांडेय , प्रमोद तिवारी , प्रदीप तिवारी सुभद्र महतो , दिनेश पाटिल , उमेश दुबे , ईश्वर दुबे, प्रेमप्रकाश त्रिपाठी , बैंकुठ तिवारी, कमलेश दुबे , आनंद तिवारी, रमेश तिवारी मास्टर, बिजय दुबे, प्रबीण राय, प्रदीप तिवारी , संतोष शाह,श्री,गिरजाशंकर गुप्ता नरेन्द्र मिश्रा , पंपु पाड़ेय , लालचंद्र मोर्या , यादव , संजय तिवारी, नवनीत पाडेय, शनी झा , प्रसांत पाडेंय, नीरज पांडेय, अंकित पांडेय , गुडडू तिवारी ,मुलायम यादव, जय सिंह मौर्या, अनुप गुप्ता , शयामलाल यादव कुलदीप दुबे, शिवम दुबे , नीरज पांडेय और नाम दुसरे दिन उमड़ी भक्तो का सैलाब गणपत बप्पा मौर्या, समाज के सभी अग्रणी लोग उपस्थित हुए।

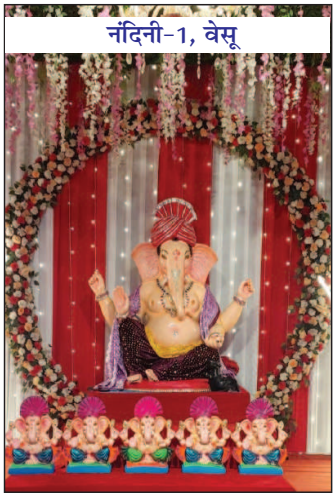

एचसीएल जिग्सॉ के पाँचवें संस्करण में भारत के 1.30 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

सूरत ।

13.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के एचसीएल ग्रुप ने आज युवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े प्रॉब्लम सॉल्विंग मूल्यांकन प्लेटफॉर्म, एचसीएल जिग्सॉ के पाँचवें संस्करण के विजेताओं की घोषणा की। इस प्रतियोगिता में भारत के 1400 स्कूलों से लगभग 1.30 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इसके ग्रांड फिनाले का आयोजन वर्चुअल माध्यम से 8 सितंबर, 2024 को किया गया था। इस प्रतियोगिता में अनेक कठोर चुनौतियों द्वारा ग्रेड 6 से 9 तक के विद्यार्थियों की क्रिटिकल थिंकिंग, रिसर्च स्किल्स, और वास्तविक विश्व की समस्याओं को हल करने के लिए सहयोग करने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया।

इस वर्चुअल प्रतियोगिता में भारत के सभी राज्यों और केंद्रीय प्रांतों में दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, बैंगलुरू आदि शहरों के 1400 स्कूलों से 1.30 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एचसीएल जिग्सॉ के पाँचवें संस्करण में तीन मूल्यांकन राउंड थे। पहला क्वालिफायर राउंड था, जिसमें 15 और 16 जून तथा 2 से 4 अगस्त तक पूरे भारत में बहुविकल्पीय ओलिंपियाड का आयोजन किया गया। इसके बाद हर ग्रेड से सर्वोच्च 20 पर्सेंटाईल वाले विद्यार्थियों को सेमीफाईनल राउंड के लिए चुना गया, जिसका आयोजन 24 और 25 अगस्त, 2024 को किया गया। सेमी-फाईनलिस्ट्स ने टीमों के रूप में प्रतिस्पर्धा कर वास्तविक विश्व की समस्याओं का समाधान पेश किया, जिसमें हर ग्रेड से सर्वोच्च पाँच टीमों को फिनाले के लिए चुना गया।

फिनाले में फाईनलिस्ट्स को अपने समाधान एक ज्यूरी पैनल के सामने रखने थे, जिन्होंने रिसर्च, क्रिटिकल थिंकिंग और प्रभावशाली संचार की उनकी क्षमता का मूल्यांकन किया। विजेताओं का चयन वास्तविक विश्व की जटिल चुनौतियों को हल करने के लिए उनके इनोवेटिव समाधानों के आधार पर किया गया।

इस अवसर पर रजत चंदोलिया, एसोसिएट वाईस प्रेसिडेंट एवं हेड ऑफ ब्रांड, एचसीएल ने कहा, ''एचसीएल जिग्सॉ ने भारत में सर्वाधिक प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ाने के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। पूरे देश से 1.30 लाख से ज्यादा प्रतियोगियों के साथ इस प्रतियोगिता ने वास्तविक विश्व की जटिल चुनौतियों का समाधान करने की विद्यार्थियों की अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया है। प्रतियोगियों की संख्या में 23 गुना वृद्धि से प्रॉब्लम सॉल्विंग और क्रिटिकल थिंकिंग के लिए बढ़ता उत्साह प्रदर्शित होता है। 'ह्यूमन पोटेंशल, मल्टीप्लाईड' के एचसीएल के सिद्धांत के अनुसार, हम अगली पीढ़ी को अपनी प्रतिभा का विकास करने का मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस साल के विजेताओं द्वारा पेश किए गए इनोवेटिव समाधान उन असीमित क्षमताओं में हमारा विश्वास प्रदर्शित करते हैं, जो युवा सही मार्गदर्शन और अवसरों की मदद से प्राप्त कर सकते हैं।''

बंधन म्यूचुअल फंड ने नया बंधन बिजनेस साइकिल फंड लॉन्च किया

सूरत। बंधन म्यूचुअल फंड ने बंधन बिजनेस साइकिल फंड के लॉन्च की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो बिजनेस साइकिल-आधारित निवेश थीम पर आधारित है। यह फंड इकोनॉमिकल साइकिल के विभिन्न चरणों- विस्तार, पीक (शिखर), कट्रैक्शन (संकुचन) और मंदी के अनुसार सेक्टर आवंटन को प्रभावशाली तौर पर एडजस्ट करता है, जिसका उद्देश्य ग्रोथ के मौकों को पकड़ना और अलग-अलग बाजार स्थितियों में जोखिमों का प्रबंधन करना है। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) मंगलवार, 10 सितंबर 2024 को निवेश के लिए खुलेगा और मंगलवार, 24 सितंबर 2024 को बंद होगा। बंधन बिजनेस साइकिल फंड में निवेश लाइसेंस प्राप्त म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फाइनेंशियल एडवाइजर्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स या सीधे https://bandhanmutual.com/nfo/bandhan-business-cycle-fund/ के माध्यम से किया जा सकता है।

इस नए फंड के लॉन्च के मौके पर श्री विशाल कपूर, सीईओ, बंधन एएमसी ने कहा कि "बंधन बिजनेस साइकिल फंड 360 डिग्री दृष्टिकोण अपनाता है, उभरते अवसरों को पकड़ने के लिए आर्थिक चक्रों, इक्विटी बाजार के रुझानों और सेक्टर की गतिशीलता का उपयोग करता है। फंड को पोर्टफोलियो विविधीकरण को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसका उद्देश्य बाजार की स्थितियों के आधार पर सेक्टर आवंटन को एडजस्ट करके आर्थिक उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिमों का प्रबंधन करते हुए रिटर्न को अधिकतम करना है। बंधन बिजनेस साइकिल फंड उन निवेशकों के लिए आदर्श है, जिनके पास लॉन्गटर्म निवेश दायरे और हाई रिस्क लेने की क्षमता है, जो सेक्टर-रोटेशन रणनीति के साथ अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाना चाहते हैं, जो इकोनॉमिक साइकिल का लाभ उठाकर रिटर्न बढ़ा सकते हैं।"

बिजनेस साइकिल इकोनॉमिक ग्रोथ के प्राकृतिक उतार-चढ़ाव को दर्शाते हैं, जिसमें प्रत्येक चरण अलग-अलग क्षेत्रों को अनोखे तरीके से प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, फाइनेंशियल और रियल एस्टेट विस्तार के चरणों के दौरान बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, जबकि कंज्यूमर उत्पाद और यूटिलिटी सर्विसेज बाजार में सिकुड़न के दौरान अधिक लचीली होती हैं। टॉप-डाउन सेक्टर चयन दृष्टिकोण के साथ, फंड का लक्ष्य निफ्टी 500 इंडेक्स में वेटेज के हिसाब से टॉप 5 सेक्टरों में से कम से कम 3 में पर्याप्त बदलाव करना है।

पॉपुलर फाउंडेशन लिमिटेड का आईपीओ 13 सितंबर 2024 को खुलेगा

पॉपुलर फाउंडेशन लिमिटेड 25 वर्षों से अधिक अनुभव के साथ इंजीनियरिंग और निर्माण गतिविधियों में माहिर है। जो निर्माण क्षेत्र में व्यापक एंड टू एंड समाधान प्रदान करता है। कंपनी विभिन्न क्षेत्रों जैसे कारखानों, शैक्षणिक संस्थानों, वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं में भवन उपलब्ध कराने का काम करती है। हालाँकि यह रणनीतिक रूप से चेन्नई और उसके आसपास सिविल निर्माण क्षेत्र में गैर-आवासीय और गैर-सरकारी परियोजनाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करता है।

पॉपुलर फाउंडेशन लिमिटेड ने 13 सितंबर, 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। इसका लक्ष्य बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाले शेयरों के साथ रू19.87 करोड़ जुटाना है। यह मुद्दा रू10 अंकित मूल्य वाले 53,70,000 इक्विटी शेयरों तक का है।

इक्विटी शेयरों का आवंटन

- निर्गम का आकार (ताजा अंक): 53,70,000 शेयर
- मार्केट मेकर कोटा: 2,70,000 शेयर
- न्यूनतम खुदरा आवेदन 3,000 शेयर
- न्यूनतम एचएनआई आवेदन: 6,000 शेयर
- निर्गम मूल्य: रू37 (निश्चित मूल्य निर्गम)
- लॉट साइज: 3000 शेयर
- यह इश्यू 13 सितंबर, 2024 को खुलेगा
- यह इश्यू 18 सितंबर, 2024 को बंद हो जाएगा
- लिस्टिंग दिनांक: 23 सितंबर, 2024 (अनुमानित)

इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग मुख्य रूप से इसके लिए किया जाएगा:

कंपनी द्वारा लिए गए सभी या कुछ बकाया उधारों के हिस्से का पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के वित्तपोषण के लिए होगा।

सृजन अल्फा कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी पॉपुलर फाउंडेशन आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री ए. एस। वेंकटेश कहते हैं, 'चम्मारी कंपनी 25 वर्षों से अधिक समय से सक्रिय है और इसका निरंतर विकास का ट्रैक रिकॉर्ड है। कंपनी अपनी उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है। हमारे ग्राहक पहलेन्द्र दृष्टिकोण ने ग्राहक संबंधों को बनाए रखना सुनिश्चित किया है। यह आईपीओ लोकप्रिय आधार है परिचालन का विस्तार करने, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और तेजी से बढ़ते निर्माण उद्योग में अपने ब्रांड को मजबूत करने की हमारी यात्रा हमें ग्राहकों के लिए मूल्य जोड़ने में सक्षम बनाएगी।

एयरटेल अफ्रीका फाउंडेशन ने आईआईटी मद्रास ज़ांज़ीबार के छात्रों के लिए 'एयरटेल अफ्रीका फैलोशिप कार्यक्रम' की शुरुआत की

ज़ांज़ीबार/चेन्नई।

एयरटेल अफ्रीका फाउंडेशन ने आज आईआईटी मद्रास ज़ांज़ीबार में स्नातक छात्रों के लिए प्रतिष्ठित 'एयरटेल अफ्रीका फैलोशिप कार्यक्रम' की घोषणा की। यह आईआईटी द्वारा स्थापित पहला विदेशी कैंपस है। यह फेलोशिप विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटीएम) ज़ांज़ीबार में डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बैचलर ऑफ साइंस में नामांकित हैं, को समर्थन देने का उद्देश्य रखती है। 5 लाख अमेरिकी डॉलर की प्रारंभिक राशि के साथ शुरू होने वाला यह कार्यक्रम 10 स्नातक छात्रों को उनके पूरे 4 साल के पाठ्यक्रम के लिए लाभान्वित करेगा।

एयरटेल अफ्रीका फाउंडेशन की स्थापना 2024 में समृद्ध अफ्रीका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। यह फाउंडेशन महाद्वीप में डिजिटल और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है। यह फेलोशिप प्रतिभाशाली छात्रों, विशेष रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों, के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने हेतु उठाया गया पहला कदम है। इसका उद्देश्य 14 अफ्रीकी देशों जैसे कि नाइजीरिया, केन्या, मलावी, युगांडा, ज़ाम्बिया, तंज़ानिया, रवांडा, डीआरसी, नाइजर, चाड, कांगो बी, गैबॉन, मेडागास्कर और सेशेल्स के छात्रों का समर्थन करना है।

इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता 'एयरटेल अफ्रीका फेलोज़' के रूप में जाने जाएंगे। उन्हें उनके कॉलेज की 100त फीस यानी 12,000 (आईआईटी एम के 4 साल के कार्यक्रम की फीस) दी जाएगी। इसके अलावा, सभी पात्र छात्रों को जीवन-यापन के खर्चों को पूरा करने के लिए 500 दिए जाएंगे। यह पहल अफ्रीका में तकनीकी नवाचार और आर्थिक वृद्धि में योगदान करने वाले भविष्य के नेताओं के जीवन को आकार देने और उन्हें पोषित करने का प्रयास करेगी।

इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ताओं को चयरटेल अफ्रीका फेलोज़' के नाम से जाना जाएगा। उन्हें उनके कॉलेज की 100त फीस दी जाएगी, यानी संस्थान की 4 वर्षीय कार्यक्रम की शुल्क संरचना के अनुसार 12,000 अमेरिकी डॉलर। इसके अतिरिक्त, जीवन-यापन के खर्चों को पूरा करने के लिए, सभी योग्य छात्रों को 500 अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे। यह पहल भावी नेतृत्व को तैयार करने, उनके जीवन को आकार देने और उन्हें पोषित करने की आकांक्षा रखती है जो अफ्रीका के तकनीकी नवाचार और आर्थिक विकास में योगदान देंगे।

ज़ांज़ीबार की शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्री, एच.ई. सुश्री लेला मोहम्मद मूसा ने फेलोशिप योजना के बारे में बोलते हुए कहा, "आईआईटी एम ज़ांज़ीबार इस क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा में शानदार रास्ता बना रहा है। तंज़ानिया और महाद्वीप के बाकी हिस्सों से आईआईटी एम ज़ांज़ीबार की स्क्रीनिंग और टेस्ट प्रक्रियाओं में अव्वल आने वाले छात्रों को वित्तीय सहायता के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच प्रदान करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। हम एयरटेल अफ्रीका फाउंडेशन से इस समर्थन के लिए आभारी हैं जो इस दिशा में हमारे प्रयासों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।"

टाटा मोटर्स ने 'फेस्टिवल ऑफ कार्स' लॉन्च किया अविश्वसनीय दामों पर मिलेंगी कंपनी की कारें एवं एसयूवी

त्यौहारों के सीजन के लिये रोमांचक नये दाम- आईसीई व्हीकल्स की कीमतों में 2.05 लाख रूपये तक की कटौती

पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से पावर्ड सारी एसयूवी एवं कारों पर खास कीमतों की पेशकश

कई लोकप्रिय मॉडलों के लिये नये और अविश्वसनीय एंट्री प्राइज़ेस-

टियागो की कीमत 4.99 लाख रुपये
एल्ट्रोज़ की कीमत 6.49 लाख रुपये
नेक्सॉन की कीमत 7.99 लाख रुपये
हैरियर की कीमत 14.99 लाख रुपये
सफारी की कीमत 15.49 लाख रुपये

उपभोक्ता के अन्य फायदों में शामिल है हमारे शोरूम्स पर 45000 रूपये तक का एक्सचेंज ऑफर

मुंबई।

भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव कंपनी टाटा मोटर्स ने अपना सबसे बड़ा 'फेस्टिवल ऑफ कार्स' लॉन्च किया है, जो त्यौहारों के इस सीजन में बेहतरीन ऑफर्स दे रहा है। कंपनी की लोकप्रिय कारें और एसयूवी ऐसी कीमतों पर पहली बार मिल रही हैं और उपभोक्ता के लिये हमारे शोरूम्स पर कई दूसरे फायदे भी उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर ग्राहक 2.05 लाख रूपये के लाभ प्राप्त कर सकते हैं और उनके लिये यह अविश्वसनीय दामों पर अपने सपनों की कार खरीदने का बढ़िया मौका है। त्यौहारों के लिये खास ऑफर 31 अक्टूबर, 2024 तक की सीमित अवधि के लिये पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से पावर्ड सभी कारों तथा एसयूवी पर उपलब्ध हैं।

'फेस्टिवल ऑफ कार्स' की घोषणा करते हुए, टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लि. के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर श्री विवेक श्रीवत्स ने कहा, ''त्यौहारों का सीजन आने के साथ ही, हम अपने ग्राहकों के लिये ढेर सारे आकर्षक ऑफर्स लाकर बहुत खुश हैं। आईसीई व्हीकल्स पर कुल 2.05 लाख रुपये तक के फायदों के साथ, इस साल त्यौहारों के जश्न में कीमतों की सीमित समय के लिये, लेकिन आकर्षक गिरावट और साथ ही एक्सचेंज तथा कैश के लुभावने फायदे शामिल हैं। ऐसे में यह नई शुरूआत के उत्साह में खो जाने का बढ़िया मौका है। हमें विश्वास है कि टाटा की कार का मालिक बनने के लिये ग्राहक इस बेजोड़ अवसर का लाभ उठाएंगे और सुरक्षा तथा डिजाइन के सबसे बढ़िया संयोजन वाली कार खरीदकर त्यौहारों के इस सीजन को वाकई खास बनाएंगे।''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय स्माशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)